

गई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। और 21 जुलाई को सामान होगा। सत्र पहले विधिलिपि कार्यक्रम का अनुष्ठान में एक साप्ताहिक समारोह तक चलेगा, जिसका मतलब है कि इस दौरान काफ़ी कामकाज होगा। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजजू ने कहा कि राष्ट्रपति दौड़दी मुर्मू ने 21 जुलाई से 21 अगस्त तक सत्र आहूत करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने 'परस' पर एक पोस्ट में कहा, 'स्वतंत्रता दिवस समारोह के महेनजर 13 और 14 अगस्त को कोई हाई लैंबी होगी। पहिले यह सत्र 12 अगस्त को सामान होला, लेकिन अब इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। सत्र की अवधि लंबी होने का निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बनाने समेत कई महत्वपूर्ण विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार, परमाणु क्षेत्र की निजी कम्पनियों के लिए खोलने की केन्द्रीय बजट में की गई घोषणा को क्रियावित्त करने के लिए परमाणुविद्युत नुसतान के लिए सिविल दायरिच अधिनियम, 2010 और परमाणु ऊर्जा अधिनियम में संशोधन करने की योजना बना रही है।

सलाब में 148 घर तिनक की तरह बह गए और 29 लोग लापता हो गए। इसमें से 13 शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि सैकड़ों लोग राहत शिविरों में रात बिताने को मजबूर हैं। जिले के 12 उपमंडलों में कुल मिलाकर 13 लोगों की मौत, 29 लोग लापता और 154 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। कुल 148 मकान, 104



गोशालाएं और 162 पशुओं की मौतें। पुष्टि प्रशासन ने की है। मंडी आपदा प्र
ने 2 जुलाई की शाम तक की रिपोर्ट
की है। इसमें पूरी जानकारी दी है।
थुनाग उपमंडल में सबसे ज्यादा
पड़ा और यहां 1 मौत और 11 लापता
थुनाग में 40 मकानों और 30 वाहन
नुकसान पहुंचा है और 6 पुल टूट गए
प्रशासन की तरफ से पीडब्ल्यूडी रेस्
में 120 लोग, जीपीएस थुनाग 80 लोग
ठहराया गया है। वहाँ, वायुसेना ने यहाँ
दो गर्भवती महिलाओं को हेलिकॉप्टर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का सर्वेक्षण करवा कर उन पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाए।
मुख्यमंत्री डॉ. यादव नगरीय

विकास एवं आवास विभाग की मुख्यमंत्री निवास स्थित समस्त भवन में हुई समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास में देश के प्रतिष्ठित बिज्डस एंड कॉलोनोईजस को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाली आकस्मिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए अग्निशमन सेवा का अधुनिकीकरण तत्काल किया जाए। अंतर्शहरी नमो रेल सेवा के विस्तार के लिए नमो ट्रेन की योजना तैयार की जाए। जल्द ही इस पर केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को



कि इस कार्य में सरकारी मदद के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं और निजी दानदाताओं की मदद ली जाए। शहरी क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय स्व-सहायता समूह तैयार कर उन्हें आधुनिक लॉण्ड्री शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं अन्य योजनाओं में तैयार किए गए आवासों के आधिपत्य बनने के साथ ही सौंपे जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके लिए जरूरी है कि शहरी क्षेत्रों में आरक्षित भूमि चयनित कर %नगर वन% अधिक से अधिक विकसित किए

जाएँ और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय बैठक में प्रमोशन प्रक्रिया की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को तय समय-सीमा में प्रमोशन दिया जाए। इससे रिक्त होने वाले पदों पर अभी से भर्ती की प्रक्रिया की कार्य-योजना तैयार कर ली जाए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्मा ने कहा कि धार्मिक एवं पर्यटन शहरों के विकास में एकीकृत विकास की योजना तैयार की जा रही है। निव्वकूट नगर में 2800 करोड़ रूपए की कार्य-योजना तैयार की गई है, जिसमें नगरीय विकास विभाग द्वारा 800 करोड़ रूपए का विस्तृत परियोजना प्रतियेदन तैयार किया जा रहा है।



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरवि केजरीवाल ने गुजरात को कह कर पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने सा तोर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना चुनाव में उतरेगें। केजरीवाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। अब कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर गठबंधन था तो कांग्रेस ने पंचायतदर उपचुनाव क्यों लड़ा। वे हमें हराने आए थे। बिहार में हमें हराने आए थे। वोट काटने के लिए कांग्रेस को भेजा था। आज के इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौतमलाल बि. कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में राज्य सरकार बनाई, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने।

गाजियाबाद। कांवेडियों को कहीं कोई सुविधा न हो इसके लिए दिल्ली-मेरठ रोड भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। वहीं, 15 लाई से इन मार्गों को वन-वे किया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर डासना से मेरठ तक भी यही व्यवस्था लागू करने की योजना है। कांवेडू को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करने लिए पुलिस लाइन में अंतरराज्यीय स्तर समन्वयक बैठक हुई। इसमें कांवेडू यात्रा शुरू तैयारियों पर चर्चा की गई। अतिरिक्त मुख्य अलोक प्रियदर्शी ने बताया कि दिल्ली-मेरठ रोड और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे ज (डासना से मेरठ) पर भारी वाहनों का द कर करने की तैयारी है। इस दौरान गंगा पर पाइपलाइन मार्ग पर भी भारी वाहनों का ह बंद करने की योजना है।



उन्होंने बताया कि दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास और जीटी रोड पर अंतिम चार दिन के दौरान डायवर्जन किया जा सकता है। ऐसे में वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करना होगा। इस अतिरिक्त मार्गों पर पुलिसबल मौजूद रहेगा, ताकि भी वाहन कांवेइ मार्ग पर न आ सके। शिवरात्रि कांवेइ यात्रा के दौरान दूधेश्वरनाथ मंदिर समेत मार्गों की झोने से निगरानी होगी।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई अमेरिका के समर्थन के लिए अमेरिकी मकसद पीएच हेगसेथ के प्रति आभार व्यक्त किया। टेलीफोन पर हुई बातचीत में, उन्होंने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को और गहरा करने के लिए चल रही और 'एक पहलू की समीक्षा करने के लिए एक उत्कृष्ट चर्चा' रक्षा मंत्री ने हेगसेथ को बताया कि सीमा पर आतंकवाद का पाकिस्तान का लंबा रिकॉर्ड विश्व स्तर पर सर्वविदित है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्दिष्ट विषय आतंकवादियों के लिए पाहगाह बन गया है। इससे पहले राजनाथ सिंह ने अपनी बिहार रैली के दौरान पाकिस्तान को बिना नाम लिए कड़ी चेतावनी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि 'संकोच नहीं करोगी, चाहे वे कहीं भी हों, तथा सरगम'।



और उन्हें प्रयोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। सिंह ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए, पड़ोसी देश का नाम लिए बिना पाकिस्तान को यह कहड़ा संकेत दिया। के नेतृत्व में, 'सर्जिकल स्ट्राइक' और बालाकोट हवाई हमले जैसे कदमों के साथ देश की सुरक्षा नीति में नया बदलाव आया है। रक्षा मंत्री ने पहलुगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए सैन्य अभियान का जिक्र करते हुए कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहली बार हमने अपनी सीमा से 100 किलोमीटर दूर स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया। बेशक, हमने केवल उन लोगों पर हमला किया, जिन्होंने हम पर हमला किया था। यही कारण है कि किसी भी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया।"

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराधा पटेल ने पार्टी में दरार पैदा करने की कोशिश करने वालों को बुधवार को कड़ी चेतावनी दी। अनुराधा ने अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती के अवसर पर रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन्म दिन' के कार्यक्रम में कहा कि पार्टी सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में अडिग है और वह किसी भी साजिश से नहीं डरती। अपना दल (सोनेलाल) भारतीय जनता पार्टी की अनुवाई वाले राष्ट्रीय जनताईक गणबंधन का हिस्सा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में पार्टी के 13 विधायक हैं। अनुराधा ने इस बात पर जोर दिया कि डॉक्टर सोनेलाल पटेल का समाज जाति जगणना का था जिसका पार्टी ने अपनी स्थापना के समय से ही समर्थन किया है। उन्होंने इन्डिशा में केंद्र सरकार के कर्मकों की सराजना की और इसे सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र को साकार करने की दिशा में एक कदम बताया।



A photograph showing Nana Akufo-Addo, President of Ghana, pinning the Ghanaian Independence Medal on the lapel of Narendra Modi, Prime Minister of India. Modi is wearing a white shirt and a dark vest. The Ghanaian flag is visible in the background.



नई दिल्ली। भारत की बढ़ती वैश्विक साख और प्रथमदर्शनी नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक कुशलता ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पीएम मोदी को अब तक 24 सौ से सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं, जो किसी भी भारतीय नेता के लिए रिकॉर्ड है। इनमें रूस का 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू', यूएई का 'जायद मेडल', फ्रांस का 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजोन ऑफ ऑनर', मालदीव का 'रूल ऑफ इन्सुलूदीन' और नाजरीरिया, साइप्रस, फिजी जैसे देशों के प्रतिष्ठित पुरस्कार शामिल हैं।

घाना की राजधानी अक्रा में देखने को मिला, जहां पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से नवाजा गया। यह सम्मान विदेशी नेताओं को बहुत कम दिया जाता है और यह भारत-घाना के मजबूत रिश्तों का प्रतीक है। 30 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री को घाना यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा किया। घाना की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत और घाना का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास और साझा मूल्यों की नींव पर टिका है। यह सम्मान भारत की जनता के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने भारत-अफ्रीका सहयोग, सांस्कृतिक जुड़ाव और विकास की साझा यात्रा पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र ने भी उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया था।



नैतिकता और शांति:आत्मिक उन्नति का पथ

अपनी आत्मा की आवाज सुनें और सत्य व न्याय के लिए शांतिपूर्ण ढंग से खड़े हों। आध्यात्मिक शक्ति हमें साहस देती है कि हम प्रेम और करुणा के साथ गलत का विरोध करें, ताकि विश्व में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। सत्य का मार्ग चुनें, क्योंकि वह आत्मा को मुक्त करता है। सच्चाई और नैतिकता के लिए खड़ा होना, आत्मिक शांति की ओर एक कदम है। जब हम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो हम न केवल समाज को, बल्कि अपनी आत्मा को भी उन्नत करते हैं। प्रेम और अहिंसा के साथ किया गया विरोध, ईश्वरीय शक्ति का प्रतीक है। प्रत्येक छोटा कदम, जो सत्य की ओर ले जाता है, विश्व को और अधिक सुंदर बनाता है। आइए अपने हृदय की पुकार को सुनें और विश्वास के साथ आगे बढ़ें।

सीआर संबंधी लापरवाही सबसे बड़ी रुकावट बन गई

डेढ़ लाख कर्मचारियों और अधिकारियों का प्रमोशन संकट में

भोपाल

प्रदेश में नौ साल बाद जब पदोन्नति की प्रक्रिया का रास्ता खुला तो कर्मचारियों में उम्मीद की लहर दौड़ गई। लेकिन उम्मीदों की ये लहर एक ऐसी दीवार से टकरा गई जिसका नाम है गोपनीय चरित्रावली 11.50 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी और अधिकारी इस वक्त अफसरों की लापरवाही की भेंट चढ़ चुके हैं। उनकी सीआर या तो लिखी ही नहीं गई या अधूरी रह गई। अब उनकी प्रमोशन की फाइलें विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में लिफाफे से बाहर भी नहीं निकलेंगी। 54 विभागों को डीपीसी बैठक बुलाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। लेकिन पदोन्नति नियम 2025 के तहत प्रस्तावित पांच लाख से ज्यादा कर्मचारियों की पदोन्नति में सीआर संबंधी लापरवाही सबसे बड़ी रुकावट बन गई है। अब सामान्य प्रशासन विभाग ने अफसरों को सीधा संदेश दे दिया है, अगर आपने जानबूझकर किसी अधीनस्थ की सीआर रोकी, तो आपको खुद की रिपोर्ट में एडवर्स कमेंट डालना जाएगा। यह पहली बार है जब सरकार ने अफसरों की जवाबदेही तय करने की कोशिश की है। रिपोर्ट में यह भी दर्ज होगा कि अफसर ने रिपोर्ट को अनुचित कारणों से रोका।



सीआर को लेकर सुस्ती क्यों आई?

बीते वर्षों में जब पदोन्नति की प्रक्रिया लगभग ठप पड़ी थी, तब कर्मचारियों ने सीआर भरवाने में दिलचस्पी नहीं ली। वहीं अफसरों ने भी मान लिया कि जब आगे कोई प्रक्रिया होनी ही नहीं है, तो मेहनत क्यों करें? इसका परिणाम यह रहा कि कई सीआर फाइलें या तो बनी ही नहीं, या स्टैग/बाधू द्वारा साहब के ध्यानार्थ अलमारी में बंद कर दी गईं।

जानें डीपीसी नियम क्या कहते हैं?

डीपीसी में प्रमोशन के लिए पिछले तीन वर्षों की सीआर पूरी होनी चाहिए। साथ ही, आगामी दो साल की प्रविष्टि भी फाइल में दर्ज होनी चाहिए। लेकिन सीआर नहीं, तो प्रमोशन नहीं! अफसरों की लापरवाही से कर्मचारियों की उम्मीदें अधर में लटक गई हैं।

कांवड़ यात्रा में धार्मिक संगठनों की मांग, होटल मालिकों की नेमप्लेट हो अनिवार्य



भोपाल। सावन से पहले उज्जैन के धार्मिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि महाकाल मार्ग के होटलों पर मालिक का नाम स्पष्ट रूप से लिखा जाए, ताकि श्रद्धालु भ्रमित न हों और विवाद की स्थिति न बने। सावन माह की शुरुआत से पहले उज्जैन के धार्मिक संगठनों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि महाकाल मंदिर मार्ग पर स्थित सभी होटलों और रेस्टोरेंटों के बाहर मालिक का नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए। धार्मिक संगठनों का कहना है कि कई होटलों का संचालन मुस्लिम व्यवसायियों द्वारा किया जा रहा है, लेकिन उनके नाम हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर रखे गए हैं। ऐसे में सावन जैसे पवित्र माह में जब लाखों श्रद्धालु उज्जैन आते हैं, तो उन्हें यह पता नहीं चल पाता कि वे किस स्वामी की दुकान पर भोजन कर रहे हैं। कई बार उन्हें अनजाने में मांसाहारी भोजन परोसा जाता है, जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं अहत होती हैं।

स्पष्ट पहचान से बढ़ेगा भरोसा, घटेगा क्रम

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के पदाधिकारी महेश पुजारी ने कहा कि कई बार श्रद्धालु जानकारी के अभाव में किसी भी होटल में भोजन कर लेते हैं, और यदि वहां मांसाहारी भोजन परोसा जाए तो विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे भ्रम की स्थिति से बचने के लिए प्रत्येक होटल और ढाबे पर मालिक का नाम नेम प्लेट पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना आवश्यक है। हिंदूवादी नेता रितेश माधेश्वरी ने कहा कि मंदिर क्षेत्र में लगभग 600 होटल और रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं, जिनमें से 200 से अधिक मुस्लिम संचालकों के अधीन हैं। उन्होंने बताया कि कई दुकानों के नाम ऐसे हैं, जो हिंदू संचालक होने का आभास देते हैं। अक्सर भक्तों द्वारा भोजन में हड़ती या मांसाहारी सामग्री मिलने की शिकायतें सामने आती हैं।

भोपाल होगा भिक्षावृत्ति मुक्त,आश्रम स्थल संचालन के लिये स्वैच्छिक संस्थाओं से 15 जुलाई तक प्रस्ताव आमंत्रित

भोपाल । भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की SMILE उपयोजना के तहत भोपाल जिला को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के उद्देश्य से चयनित किया गया है। भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु विशेष रूप से आश्रय स्थल/भिक्षुक गृह की स्थापना की जाना है। इस आश्रय स्थल के संचालन के लिए अनुभवी और सक्षम स्वैच्छिक संस्थाओं/संगठनों से 15 जुलाई 2025 शाम 5 बजे तक प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर भोपाल द्वारा 3 फरवरी 2025 को भिक्षावृत्ति करने व भिक्षा देने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया है। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय ने बताया कि जो संस्थायें निम्न शर्तें पूर्ण करती हैं वह आवेदन कर



सकती है इसके लिये संस्था सोसायटी रजिस्ट्रेशन/फर्म/लोक न्याय अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो। वर्तमान वैध कार्यकारिणी हो। कार्यकारिणी द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया हो। संस्था किसी विभाग द्वारा ब्लैकलिस्टेड न हो। विगत 5 वर्षों से पुनर्वास संबंधित कार्य का अनुभव हो। वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हो (पिछले 3 वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट आवश्यक)। संस्था के उपविधियों में भिक्षावृत्ति पुनर्वास संबंधी उद्देश्य शामिल होना आवश्यक है। इच्छुक संस्थाएँ अपना प्रस्ताव संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, शेड नं. 01, कमिश्नर कार्यालय के पीछे, पुराना संचालनालय, भोपाल में डाक, स्वयं उपस्थित होकर, या ईमेल (pswbho@mp.nic.in) के माध्यम से भेज सकती हैं।

सिंदूर का पौधा एवं त्रिशूल लेकर रवाना हुआ मंडल का पांचवां जत्था

भोपाल। अमरनाथ यात्रा के लिए भोपाल से भी जत्था रवाना हुआ है। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिकू भटेजा ने बताया कि मंडल के 51 श्रद्धालुओं का पांचवां जत्था सिंदूर का पौधा एवं पवित्र त्रिशूल लेकर अंडमान एक्सप्रेस से भोपाल स्टेशन से रवाना हुआ। इस जत्थे में भोपाल एवं विदिशा के श्रद्धालु शामिल हैं, जत्थे में 9 महिलाएं भी शामिल हैं। जत्थे नेतृत्व सुमित गिरी एवं अशोक काकडे द्वारा किया जाएगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में बेकसूर 26 पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा कायराना हमला कर हत्या कर दी थी। उसी स्थान पर मंडल सदस्यों द्वारा सिंदूर का पौधरोपण किया जाएगा। भोपाल स्टेशन पर माला पहनकर उनको विदाई देने वालों में मंडल सचिव रिकू भटेजा, गुड्डू अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, कपिल ग्वाला, गजेन्द्र ठाकुर, प्रदीप सोनी, मनीष मिश्रा सहित अनेक मंडल सदस्य उपस्थित थे।



2 दिवसीय मेगा इवेंट का समापन शैक्षिक और उद्योग क्षेत्र में नई दिशा



संतोष योगी सहित कई पत्रकारों का हुआ सम्मान

भोपाल। सेंट्रल ग्रुप का मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक 2 दिवसीय मेगा इवेंट का समापन हुआ यह आयोजन भोपाल की होटल विंड एंड वेब्स में हुआ जिसमें शैक्षिक और उद्योग क्षेत्र में नई दिशा जिसमें देश के कई प्रमुख नेता एवं डॉक्टर एवं पत्रकार एवं समाज सेवी महान हस्तियां सम्मिलित हुईं कई बिंदु पर चर्चा हुईं कैसे

युवाओं का राजगार स जाड़ा जाए कैसे स्वास्थ्य का और बेहतर बनाया जाए कैसे मीडिया जगत में नहीं कांति लाया जाए इन तमाम मुद्दों पर दो दिन चर्चा हुई के साथ समापन हुआ इस अवसर पर भोपाल के कई पत्रकारों को सम्मानित किया जिसमें मुख्य रूप से संतोष योगी एवं भोपाल के सीरभ नाथ एवं इसके साथ कई पत्रकारों का भी सम्मान किया गया कार्यक्रम का पूर्ण संचालक सेंट्रल ग्रुप द्वारा किया गया इसके संचालक डॉक्टर नितिन वर्मा ने इस सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर को 5 वर्ष की सजा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में वन एवं वन्य-जीव संरक्षण के लिये किये जा रहे समग्र प्रयासों के अंतर्गत वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा, जो मूल रूप से तिब्बत का निवासी है, जिसे 9 साल की कड़ी मेहनत के बाद 25 जनवरी, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सीमा भारत-नेपाल के पास सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। स्टेट टाइगर फोर्स द्वारा की गयी सटीक विवेचना एवं न्यायालय में रखे गये ठोस पक्ष के आधार पर आरोपी शेरपा को 9 मई, 2025 को 5 वर्ष की सजा दी गयी।

इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक अभियोजन पूर्ण कर सजा दिलवाने की उत्कृष्ट कार्रवाई के लिये बधाई-पत्र भेजा है। इंटरपोल जिसे आधिकारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराधी नियंत्रण पुलिस संगठन कहा जाता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो 195 से अधिक देशों ने मिलकर बनाया है। यह पूरे विश्व में पुलिस एवं अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है। मध्यप्रदेश वन विभाग ने स्टेट टाइगर फोर्स का गठन केन्द्र शासन के निर्देश पर वन्य-जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिये किया है। स्टेट टाइगर फोर्स ने विगत कुछ वर्षों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय

गिरोह का पर्दाफाश किया है। इससे पहले भी इंटरपोल द्वारा 3 बार एसटीएसएफ के कार्यों की सहायता की जा चुकी है।

अपराधी ताशी शेरपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। जुलाई-2024 में सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ताशी शेरपा की जमानत याचिका को खारिज कर ट्रायल कोर्ट नर्मदापुरम को एक वर्ष के भीतर ट्रायल पूरा करने का निर्देश दिया था।

स्टेट टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक विवेचना करते हुए ताशी शेरपा की ब्रेन-मेपिंग और पॉलीग्राफी परीक्षण करवाया, जिससे उसके विरुद्ध महत्वपूर्ण सबूत मिले। इसके अतिरिक्त साइबर डेटा भी एकत्र कर न्यायालय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में पेश किये गये। देश का यह पहला मामला है, जिसमें बाघ शिकारियों, कुरियर, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 अपराधियों के गिरोह को गिरफ्तार किया गया, जिसमें सभी दोषी ठहरे गये। उक्त प्रकरण में एक सरगना जेई तमांग उर्फ पसांग लिमी फरार है। तमांग के विरुद्ध इंटरपोल द्वारा रेड कानन नोटिस भी जारी किया गया। इंटरपोल द्वारा उक्त पत्र में वांछित विदेशी बाघ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई में मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर फोर्स की सहयता प्रदान करने का लेख है। इस प्रकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन अधिकारियों को पुरस्कृत किया जायेगा।



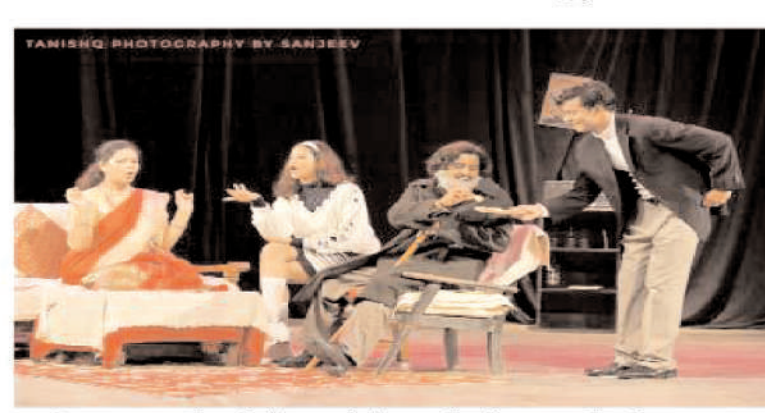
भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बारिश में मौरी और बैरागढ़ के कई क्षेत्र के घरों में घुसा पानी



संत हिरदाराम नगर। राजधानी भोपाल में हो रही तेज बारिश के कारण बैरागढ़ के भौरी गांव में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह समस्या पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत और गलती के कारण हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि रोड निर्माण के समय कई बार समझाया गया था कि निर्माण में सावधानी बरती जाए, लेकिन उनकी अनदेखी के कारण आज गांव में पानी भर गया है। बारिश में अब बहुत परेशान हो रहे हैं पानी भरने के कारण रात में सो नहीं पा रहे हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने खुद ही रोड खोदकर पानी निकालने का प्रयास शुरू कर दिया है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इधर, बैरागढ़ के कई क्षेत्रों में घरों में जलभराव की स्थिति बनती रही। एच वार्ड की गलियों में सीवेज का पानी घरों में घुसने से लोगों को परेशानी हुई रात में भी लोग घरों से पानी निकलते हुए नजर आए।

हास्य नाटक इंसपेक्टर शेरसिंह शेरु ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया



भापाल। श्यामला हिल्स स्थित, एल बी टॉ सभागार में, रिप्लेक्शन सोसायटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट एंड क्लबक भोपाल के कलाकारों द्वारा अर्शिन खान के द्वारा निर्देशित हास्य नाटक इंसपेक्टर शेरसिंह शेरु ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। यह नाटक शेरु नाट्यार्ड के प्रसिद्ध हास्य एंकांकी द रियल इंसपेक्टर हाउड का हिंदी रूपांतरण है, जिसे भारतीय परिवेश और दर्शकों के अनुरूप ढालकर प्रस्तुत किया गया। नाटक की कहानी दो नाट्य समीक्षकों, उसाही और अक्वोथो, के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्हें एक नए मर्डर मिस्ट्री नाटक कृतिल की समीक्षा के लिए

आमंत्रित किया जाता है। मौंचत नाटक का संट मालगंज स्थित परमात्मा निवास नामक हवेली है, जो रहस्यमय वातावरण और विचित्र किरदारों से भरा हुआ है। कहानी में दिवस्ट तब आता है, जब एक लाश के समान पड़ा किरदार, रहस्यमय समीर सान्याल का आगमन और इंसपेक्टर शेरसिंह शेरु अपने हवलदार पंसुले के साथ मर्डर मिस्ट्री सुलझाने पहुंचते हैं। नाटक ने दर्शकों को अपने हास्यप्रद संवादों और दिलचस्प घटनाक्रमों से बांधे रखा। पात्रों की व्यक्तिगत उलझनों और नाटक के भीतर नाटक की अनूठी परतें दर्शकों को हंसाते-हंसाते

मंच पर इन कलाकारों की रही मागीदारी

अल्फी हुसैन,दीक्षा धनराज चौहान, आकांक्षा सिंह भदौरिया,अर्शिन खान,मयंक दीक्षित, विकास आर्य,उज्ज्वी चौरसिया,उमंग चौधरी, रितिक यादव,अमन सोनी डायमंड, दिव्यांश सिंह सेंगर, दर्शन पाण्डेय, जावेद, मदीहा तन्वीर, निशा धूमरेरिया,पर्वेज खान, शुभम राय, अल्लफ मूल लेखक टॉम स्टोपर्ड मार्गदर्शन तनवीर अहमद नाट्य रूपांतरण व निर्देशन अर्शिन खान।

सोचने पर मजबूर कर देती हैं।अर्शिन खान के कुशल निर्देशन और हर किरदार की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों के दिल में जगह बनाई। परमात्मा निवास का भूल-भुलैया जैसा सेट, हल्के-फुल्के संवाद और रहस्य का समिश्रण, सभी तत्वों ने नाटक को बेहद खास बना दिया। हाल में मौजूद दर्शक ठाकों और तालियों से कलाकारों की अदाकारी को सराहते नजर आए। नाटक में हास्य और रहस्य का ऐसा ताना-बाना बंधा था कि हर दृश्य दर्शकों को अपनी ओर खींचता रहा।

आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊराम महाराज का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया गया



संत हिरदाराम नगर। राजधानी के उपनगर संत हिरदाराम नगर ग्राम बेहटा गांव में स्थित सतगुरु स्वामी टेऊराम आश्रम में 139वां अवतरण दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रवचन, भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ। आश्रम संचालिका विद्या देवी ने स्वामी टेऊराम के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि इस जीवन कथा का उद्देश्य हमें आध्यात्मिक पथ पर चलने के लिए प्रेरित करना है। जब भी लोग धर्म से विमुख होकर माया या झूठे भ्रम में लीन हो जाते हैं तो भगवान मनुष्य के उद्धार के लिए इस धरती पर मानव रूप में अवतार लेते हैं। हमारे पूज्य सतगुरु स्वामी टेऊराम महाराज का जन्म 6 जुलाई 1887 को सिंध प्रांत में पवित्र नदी सिंधु के तट पर खांडू नामक सिंध के एक छोटे से गांव में हुआ था यह सतों की पवित्र भूमि है। स्वामी के माता-पिता चेलागाम और माता कृष्णादेवी भगवान के बहुत बड़े भक्त थे। उन्होंने अपना जीवन उन सतों और महात्माओं की सेवा में बिताया जो उनसे मिलने आते थे। उनके घर पर प्रतिदिन दिव्य प्रवचन होते थे। आश्रम की सेवाधारी वर्षों खुशालानी व द्रोपदी सदारांगनी ने सतों के जीवन पर झांकिया बनाई व सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। जिसमें स्वामी टेऊराम महाराज, संत कंवराम साहिब व स्वामी शक्तिप्रकाश महाराज की मनमोहक झांकिया बनाई गई व भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ।

डॉ. रितिका चौरसिया ने की पी.एच.डी.
छिंदवाड़ा। आई.सी.ए.आर. इण्डियन वेटनरी रिसर्च इन्सीट्यूट डीम यूनिवर्सिटी इज्जत नगर बरेंली उ.प्र. द्वारा डॉ. रितिका चौरसिया को पशु चिकित्सा पारजैविकी विज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि (पी.एच.डी.) राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की उपस्थिति में प्रदान की गई। यूनिवर्सिटी का यह ग्यारहवां दीक्षांत समारोह 30 जून को इज्जत नगर में सम्पन्न हुआ। डॉ.रितिका चौरसिया जबलपुर वेटनरी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हैं। डॉ. रितिका चौरसिया सेवानिवृत्त इंजीनियर राजेश चौरसिया श्रीमति उषा चौरसिया की सुपुत्री हैं। डॉक्टरेड की उपाधि मिलने पर सभी ने उन्हें बधाई दी।

दयानंद ने मेडिकल ओवर ब्रिज पर हो रहे गड़्ढों को भरा
छिंदवाड़ा। जिले में आये दिन वाहन दुर्घटनायें को देखते हुये आमजन को इससे राहत दिलाने समाजसेवा दयानंद ने आज मेडिकल कालेज स्थित ओवर ब्रिज एवं मेडिकल रोड पर हो रहे गड़्ढों को भरा । ज्ञात हो कि इस ओवर ब्रिज के दोनों ओर रात्रि के समय अक्सर डिवाईडर स्पष्ट नहीं दिखने के कारण लोगों के वाहन टकरा जाते हैं, जिसके चलते दुर्घटनायें होती है, इस पर रोक लगाने के लिये उन्होंने पूर्व में ओवर ब्रिज के दोनों ओर डिवाईडर पर रेंडियम पट्टी लगायी थी ताकि भविष्य में कुछ हद तक इस मार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि प्रशासन मुख्य चैराहों को चिन्हित कर उन स्थानों पर इसी तरह रेंडियम के पट्टी लगावाये साथ ही मुख्य मार्गों में हो रहे बड़े-बड़े गड़्ढो को तत्काल भर जिससे आये दिन हो रही वाहन दुर्घटना पर रोक लग सके ।

महाविद्यालय में आयोजित हुआ दीक्षारंभ समारोह
छिंदवाड़ा। राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, छिंदवाड़ा में प्राचार्य डॉ. अस्मिता मुंजे के मार्गदर्शन में सत्र 2025-26 में नव प्रवेशित छात्राओं हेतु दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को पाठ्यक्रम, महाविद्यालयीन गतिविधियां, एन.सी.सी. / एन.एन.एस. इत्यादि के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनिता मिश्रा एवं सदस्य डॉ. श्रीपाद आरोणकर, डॉ. नीलिमा बागडे, डॉ. दिनेश कुमार चौधरी, डॉ. सम्पल पाटिल, डॉ. संकेत चौकसे, कु. पूष्प उमरेठे, डॉ. अजय सिंह ठकुर एवं प्रो. सीताराम शर्मा उपस्थित रहे।
वार्ड नंबर 9 लगाहुआ में

कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की बैठक
छिंदवाड़ा। कांग्रेस अनुसूचित जाति महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष संतोषी गजभिये, नगर अध्यक्ष नेहा आम्रवंशी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व सांसद नकुलनाथ एवं प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष गुरुचरण खरे के मार्गदर्शन में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संतोषी गजभिये द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, महिलाओं को रोजगार, उनके जीवन उन्नयन एवं विकास के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से सीमा मण्डराह, किरण गजभिये, शर्मिला चैधरी, पुष्पा पहाड़े, ममता रावेल, ललित बाणेकर, सुमन पहाड़े, सरिता गोनेकर, कंचना भिनोटे, पुष्पा पहाड़े, संगीता पहाड़े, अजु बघेल, पंचकुला रागे, ममता बिंशाड़े, दीक्षा डेहरिया, अंजना टांडेकर सहित सैकड़ों महिलायें उपस्थित थे।

कक्षा-6वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आरंभित छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा एवं पाटुण्णा जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोड़ी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिये आगामी 13 दिसंबर 2025 को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन किया गया है। इस परीक्षा के लिये आवेदन पत्र वेबसाइट से ऑनलाइन भरे जा रहे हैं। आगामी 29 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोडी के प्राचार्य डॉ.सी.एस.पानकर ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिये कक्षा 5वीं में अध्ययनरत छात्र/छात्रयें नजदीकी साईबर कैफे से अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। उन्होंने पालकों से अनुरोध किया है कि अपने बच्चों का अधिक से अधिक ऑनलाइन आवेदन करायें।

अमरनाथ यात्रियों का जत्था रवाना पुजारी संघ के अध्यक्ष ने फूलमाला पहनाकर किया रवाना छिंदवाड़ा। अमरनाथ यात्रियों का जत्था छिंदवाड़ा से रवाना हुआ पुजारी संघ के जिला अध्यक्ष सुनील तिवारी द्वारा अमरनाथ यात्रियों का फूल माला पहनाकर उनका सम्मान कर रवाना किया गया स्टैंडियम ग्राउंड से सम्पन्न मित्र मंडली के द्वारा सम्मान किया गया। यात्रा में जाने वाले कमलेश सूर्यवंशी, राजकुमार वर्मा, देवेंद्र दुबे,आकाश नामदेव,नरेंद्र बचाले, चंदेश साहू,बबलू वर्मा, संदीप साहू, मोनू कारोलिया,राहुल नंजनवार, बबलू विश्वकर्मा, मधु साहू, गौतव सूर्यवंशी,अरविंद मुहावरे, राहुल मालवीय ,अखिलेश विश्वकर्मा रवाना हुन। हर हर महादेव के नारे के साथ स्वस्तिवाचन आशीर्वाद पंडित सुनील तिवारी के द्वारा दिया गया।

कॉलेज चलो अभियान' के तहत छात्राओं को मिला उच्च शिक्षा का संदेश

» शासकीय महाविद्यालय कैलारस की टीम ने कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में चलाया प्रवेश जागरूकता कार्यक्रम

सुरेना।शासकीय महाविद्यालय कैलारस द्वारा कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत गुरुवार को शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कैलारस में एक प्रेरक एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उन्हें महाविद्यालयीन जीवन, पाठ्यक्रमों और कैरियर की संभावनाओं से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय से कॉलेज चलो अभियान के संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार लिटोरिया ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार उच्च शिक्षा एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करती है। उन्होंने छात्राओं को कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, छात्रवृत्ति योजनाओं और आगे के रोजगार अवसरों की विस्तार से जानकारी दी।

शासकीय महाविद्यालय कैलारस से श्री दर्शन गिरी गोस्वामी ने बताया उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए चलाई जा रही कार्डसलिंग का द्वितीय चरण संपूर्ण हो चुका है एवं तृतीय चरण 05 जुलाई, 2025 से प्रारंभ हो रहा है। शासकीय महाविद्यालय कैलारस में स्नातक पाठ्यक्रम में गणित, जीव विज्ञान एवं कंप्यूटर साइंस से बी.



एस. सी. संचालित है। साथ ही शासन की समस्त योजनाएं गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण, आवास भत्ता, मेधावी, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कैलारस की प्राचार्य श्रीमती प्रीति शर्मा ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा

ही जीवन की दिशा तय करती है। उन्होंने छात्राओं से अपील की, कि वे इस अभियान का लाभ लें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें। कार्यक्रम में कॉलेज चलो अभियान समिति सदस्य श्रीमती रुचि गुप्ता, डॉ. प्रशांत चतुर्वेदी की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही, जिन्होंने छात्राओं से संवाद कर उन्हें विज्ञान,

वाणिज्य और कला के क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा की ओर उन्मुख करने की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मध्यस्थता योजना अंतर्गत 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान

सुरेना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुरेना श्रीमती संगीता मदान के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुरेना द्वारा 01 जुलाई 2025 से 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता योजना अंतर्गत अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान जिला न्यायालय सुरेना, तहसील न्यायालय अम्बाह, जोरा, सबलगढ में संचालित किया जा रहा है। योजनांतर्गत पक्षकार जिनके मामले न्यायालय में लंबित हैं तथा जिन प्रकरणों में राजीनामा संभव है, वह पक्षकार राजीमाना के माध्यम से अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकता है। मध्यस्थता योजना के तहत प्रकरणों के निराकरण से पक्षकारों का समय व आर्थिक हानि से बचा जा सकता है। ऐसे पक्षकार जो अपने प्रकरण को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाना चाहता है व अपने अधिवक्ता के माध्यम से अथवा सीधे न्यायालय में निवेदन कर अपने प्रकरण को मध्यस्थता हेतु मीडिएशन सेक्टर के लिए रेफर कर सकता है।

थाना नौगांव पुलिस ने छल कपट पूर्वक धोखाधड़ी करने वाले फर्जी कंपनियों के डायरेक्टर पंकज यादव को किया गिरफ्तार

फॉर्च्यूनर लीजेंडर, हैरियर कार, नकद राशि सहित कुल 80 लाख की संपत्ति बरामद

छतरपुर। जिले के थाना नौगांव क्षेत्र अंतर्गत कस्बा नौगांव के दुकानदार अफसर राइन सहित अन्य फरियादियों से कई फर्जी कंपनियों के डायरेक्टर बता कर छल कपट पूर्वक धोखाधड़ी करने संबंधी रिपोर्ट पर थाना नौगांव में भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी का अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

पुलिस टीम द्वारा बारीकी से तकनीकी एवं दस्तावेजी साक्ष्य इकट्ठा किए गए। भविष्य निधि, म्युचुअल बेनिफिट निधि इत्यादि से संबंधित कई फर्जी कंपनियों के डायरेक्टर द्वारा धोखाधड़ी करना सिद्ध पाया गया। कई स्थानों पर शाखाएं संचालित थीं। आरोपी की तलाश हर संभावित स्थानों में की जा रही थी।पुलिस टीम द्वारा उक्त धोखाधड़ी घटना के आरोपी पंकज यादव पिता अजय सिंह यादव निवासी ग्राम बंदपुरा थाना जखोरा जिला ललितपुर को विधिवत गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से प्रयुक्त कंप्यूटर सिस्टम, प्रिंटर, कार्यालय का फर्नीचर, रजिस्टर, स्टेशनरी सामग्री, धोखाधड़ी की गई राशि में से नगद राशि, खरीदी गई टोयोटा कंपनी की फॉर्च्यूनर लीजेंडर, टाटा कंपनी की हैरियर कार सहित कुल कीमत करीब 80 लाख रुपए बरामद की गई। अभियुक्त को न्यायालय पेश किया जा रहा है। विवेचना कार्यवाही जारी है।

उक्त कार्यवाही में एसडीओपी नौगांव श्री अमित मेश्राम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नौगांव निरीक्षक सतीश सिंह उप निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह राजपूत



प्रधान आरक्षक मनीष पिपाडी, आरक्षक कमल सिंह सेंगर, राम जाट, राजकुमार की भूमिका रही।

मेडिकल संचालन में अनियमितता बरतने पर छह दवा दुकानों के ड्रग लाइसेंस निलंबित

दो दवा दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी

छिंदवाड़ा। कलेक्टर शोलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार एवं उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में औषधि निरीक्षक श्री गौरव शर्मा द्वारा आज जिला छिंदवाड़ा स्थित दवा दुकानों की जाँच की गई। जाँच में मेसर्स अमित मेडिकल स्टोर्स हार्डि स्कूल के पास, बाज़ार रोड चांदमेटा, तहसील परासिया, मेसर्स अरिहंत मेडिकल फव्वारा चौक, पुराना बस स्टैंड के पास अमरवाड़ा, तहसील-अमरवाड़ा, मेसर्स दीपक मेडिकल मेन रोड अंबेडकर पार्क के पास अमरवाड़ा, मेसर्स भारत मेडिकल एजेंसीज दुकान क्रमांक- 11, पदम कॉम्प्लेक्स, सिवनी रोड तहसील छिंदवाड़ा, ईश्वराम्मा मेडिकल एंड सर्जिकल दुकान क्रमांक- 22 एवं 23 जिला अस्पताल के पास टीआईटी कॉम्प्लेक्स नागपुर रोड जिला छिंदवाड़ा, मेसर्स उज्ज्वल मेडिकल स्टोर्स वेला विश्वकर्मा की दुकान, वार्ड क्रमांक-04 रेल्वे ब्रिज के पास पिपरिया रोड तहसील- परासिया में औषधि एवं प्रशासन सामग्री अधिनियम 1940 की नियमावली 1945 के नियम 65 का उल्लंघन पाए जाने पर जाँच प्रतिवेदन तैयार कर औषधि अनुज्ञापन अधिकारी छिंदवाड़ा को प्रेषित किया गया। औषधि अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा दुकान के मालिक/पार्टनर/संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण माँगा गया।

मेसर्स अमित मेडिकल स्टोर्स हार्डि स्कूल के पास बाजार रोड चांदमेटा तहसील परासिया के प्रोपराइटर द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण समाधानकारक एवं संतोषजनक नहीं पाए जाने के कारण औषधि अनुज्ञापन अधिकारी छिंदवाड़ा के आदेश 06 जून 2025 द्वारा दुकान के प्रोपराइटर को स्वीकृत ड्रग लाइसेंस आदेश प्राप्ति दिनांक से 10 दिवस के लिए निलंबित किये गए। निलंबन अवधि में इस दवा दुकान से औषधियों का क्रय एवं विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अरिहंत मेडिकल फव्वारा चौक पुराना बस स्टैंड के पास अमरवाड़ा जिला छिंदवाड़ा के प्रोपराइटर द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण समाधानकारक एवं संतोषजनक नहीं पाए जाने के कारण औषधि अनुज्ञापन अधिकारी छिंदवाड़ा के आदेश 06 जून 2025 द्वारा दुकान के प्रोपराइटर को स्वीकृत ड्रग लाइसेंस आदेश प्राप्ति दिनांक से 05 दिवस के लिए निलंबित किये गए।

अवैध शराब बरामद

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम किशन टोला में अमरवाड़ा थाने में पदस्थ सहायक परीक्षा धर्मराज वाघमारे ने किशन टोला में भागवती नामक महिला के पास से एवं रमेश डेहरिया के पास से 6- 6 लीटर कच्ची मुहुआ की शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज किया।

मजदूरी मांगने गया मजदूर के साथ हुई मारपीट, जान से मार देने की धमकी
अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम चारगांव पिंजरा में मवेशियों को चराने ले जाने वाले मजदूर में जब अपनी मजदूरी की राशि काफ़ी दिनों से नहीं मिलने के कारण मजदूर धनलाल मलिक राग भान के पास जाकर मांगा तो तो राग भान धुवें नाराय होकर मजदूर को गंदी-गंदी गाली देने लगा और कहने लगा कि भेरे घर क्यों आया और मजदूर के साथ जमकर मारपीट किया जिससे मजदूर को चोट आ गई वह वहां से जाने लगा तो राग भान ने धमकी दिया दोबारा पैसे मांगा तो जान से खतम कर दूंगा मजदूर को रिपोर्ट पर मारपीट धमकी का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

सिंगोडी क्षेत्र में पकड़ा जुआ
अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत सिंगोडी चौकी के ग्राम खकरा चौई से लगातार जुआ खेल कर हर जीत करने की शिकायत प्राप्त होने पर चौकी प्रभारी के निर्देश पर सहायक उप निरीक्षक राजकुमार सनोदिया ने ग्राम खाकरा चौई के नई आबादी क्षेत्र में जाकर घेबंदी कर जुआ फल में रेड मारा जहां जुआरी रोशन, फूलदार, रुआब शिवदास को सहायक उपरीक्षक राजकुमार सनोदिया आरक्षण की एकलेश और उभाशंकर ने जुआरियों के पास से 1450 रुपए ताश के पत्ते बरामद कर 13 जुआ एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बने सांसद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को दी बधाई



छिंदवाड़ा। वरिष्ठ भाजपा नेता व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष निर्वाचित होने एवं छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू के भाजपा राष्ट्रीय परिषद में मध्यप्रदेश से सदस्य बनने पर सांसद कार्यालय छिंदवाड़ा में नगर भाजपा मंडल अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता द्वारा आतिशबाजी कर एवं मिष्ठान वितरण करके जश्न मनाया। साथ ही छिंदवाड़ा से पहली बार किसी भी आम चुनाव में भाजपा सांसद जीतने के पश्चात

स्थानी सांसद बंटी विवेक साहू को भाजपा की राष्ट्रीय परिषद में सदस्य निर्वाचित होने पर छिंदवाड़ा जिले के कार्यकर्ताओं को सम्मान प्रदान किया गया है इस हेतु प्रदेश नेतृत्व का उन्होंने आभार व्यक्त किया। श्री शुक्ला ने बताया बताया कि श्री खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने और सांसद बंटी विवेक साहू के भाजपा राष्ट्रीय परिषद में सदस्य बनने पर भाजपा संगठन को और मजबूती मिलेगी।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष जागेंद्र अलुइक ने बताया कि पड़ोसी जिले बैतूल के विधायक हेमंत खंडेलवाल छिंदवाड़ा के अधिकतम कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से परिचित है एवं संघटनात्मक कार्यक्रमों में उनका लगातार छिंदवाड़ा आना जाना होता रहा है। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भी सह प्रभारी के रूप में उनके नेतृत्व में भाजपा को विजय प्राप्त हुई थी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जागेंद्र अलुइक,भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकुश शुक्ला, नवीन बारकर, गुलाबरा मंडल महामंत्री आशुतोष वाडोबा, पंकज पाटनी, कुंदन मिंगलानी, पार्षद जगदीश गोदरे, भूरा भावरकर, मयूर पटेल,

शिव सरसवार, नीरज ब्रह्मवंशी, श्रीमती ममता डोंगरे, आलोक साहू, जीतू मालवी, सुरेंद्र भारद्वाज, सुनील परतेली, अनिल सोनी, चेतन सोनी, लकी पाल, कुणाल पाल, ऋषभ ताम्रकार, यश पैठने, मोहित बुनकर, संदीप माहोरे, सागर बंडेवार, मंगेश कपाले, संतोष साहू, आशुतोष गुप्ता, मंगेश सोनी, सुरेंद्र भारद्वाज, राजा गड्डेवाल, रूपेश साहू, सुमित दुबे सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के नेता कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

आदिवासी युवक के साथ अमानवीय अत्याचार, ग्रामीणों ने किया थाने का घेराव



छिंदवाड़ा। हर्दं थाना क्षेत्र के ग्राम तुडुयापानी में एक आदिवासी युवक के साथ बर्बरता की घटना सामने आई है, जिसमें कुछ दबंगों द्वारा उसके साथ न सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि गांव के रंगमंच पर पेशाब पिलाने का प्रयास किए जाने का आरोप लगा है। इस अमानवीय कृत्य से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और थाने का घेराव कर दिया।सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी, तहसीलदार, और तीन थानों के थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लेने का प्रयास किया। अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बावजूद ग्रामीणों का आक्रोश शांत नहीं हुआ और वे लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते रहे।

पैसों के विवाद से उज्जवा विवाद बना हिंसा का कारण: प्राण जानकारी के अनुसार, गांव के एक युवक और एक ढाबा संचालक के बीच पैसे को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि ढाबा संचालक ने पड़ोसी जिले से गुंडों को बुलाकर युवक के साथ मारपीट कराई और फिर उसे गांव के रंगमंच पर ले जाकर पेशाब पिलाने का प्रयास किया, जो कि बेहद अमानवीय और अपमानजनक कृत्य है।

क्षेत्र में तनाव, प्रशासन सतर्क: घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस एवं प्रशासन के आला अधिकारी गांव में डटे हुए हैं। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, वे शांत नहीं बैठेंगे। यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि आदिवासी समाज के साथ अब भी भेदभाव और अत्याचार की घटनाएं किस हद तक बढ़ गई हैं।

एमपीईबी के द्वारा बनाए जा रहे बिजली चोरी के फर्जी प्रकरण

कांग्रेस ने बिजली कंपनी के अधिकारियों को सौंपे दो झापन



छिंदवाड़ा। भाजपा की सरकार में विद्युत वितरण कम्पनी और उसके अधिकांश अफसर बेलेगाम है। जनता पर उनकी धौंस और फर्जी प्रकरण दर्ज किए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे। बड़े हुए बिलों से जिलेभर के किसान त्रस्त है। बड़े हुए बिलों व फर्जी बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज किए जाने वाले दोनों ही मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते हुए विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारियों को झापन प्रस्तुत कर अविलम्ब निराकरण की मांग की है।

कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने विद्युत वितरण कम्पनी कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार विद्युत वितरण कम्पनी के माध्यम से जनता को लूट रही है। पहले तो किसानों को मनमाने बड़े हुए बिजली के बिल धमाए। अब आम उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी के झूठे प्रकरण भी पंजीबद्ध किए जा रहे हैं जो कि पूर्णतः गलत व असंवैधानिक भी है। कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ के द्वारा प्रस्तुत झापन में उल्लेख किया गया है कि बड़े हुए बिजली बिलों के निराकरण हेतु उपकेन्द्र स्तर पर भी शिविर लगाए जाएं ताकि ग्रामीण उपभोक्ता व किसान को शिविरों का आसानी से लाभ मिल सकें। बिजली बिल जाना नहीं होने की स्थिति में पूरे ग्राम की बिजली बंद करने पर रोक लगाई जानी चाहिए। प्रस्तुत झापन के माध्यम से विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारियों को अवगत कराया गया कि विगत माह कांग्रेस के द्वारा प्रस्तुत झापन में अधिकारियों ने बड़े हुए बिलों के निराकरण उपरत बिल जमा करने की बात कही थी, किन्तु आज दिनांक तक किसानों के बड़े हुए बिलों का निराकरण नहीं हुआ है इसीलिए मुख्यालय पर शिविर ना लगाकर उपकेन्द्र स्तर पर शिविर लगाकर निराकरण किए जाएं, अभी तक एमपीईबी ने केवल फर्जी निराकरण के आंकड़े ही प्रस्तुत किए हैं।

जीतेंद्र जायसवाल के निधन पर पूर्व सांसद नकुलनाथ ने शोक व्यक्त किया

छिंदवाड़ा। वरिष्ठ पत्रकार धर्मेन्द्र जायसवाल के छोटे भाई जीतेन्द्र जायसवाल का हृदय गति रूक जाने से निधन हो गया। उनकी अलंछि में सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया पूर्व सांसद नकुलनाथ ने जीतेन्द्र जायसवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

संपादकीय

बंदूकों की आवाज़ में खो गई शांति की पुकार, जब युद्ध रुका कहकर भी नहीं रुका; कैसे होगा जंग का अंत

इजराइल और ईरान के बीच युद्ध विराम पर सहमति की खबर निश्चित रूप से अच्छी बात है। युद्ध को किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस युद्ध विराम की सूचना पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी। उनका दावा है कि उन्हीं के समझाने पर दोनों देश जंग की राह छोड़ने पर तैयार हुए हैं। पिछले बारह दिनों से दोनों देश एक-दूसरे पर विनाशकारी हमले कर रहे थे। हालांकि अमेरिका शुरू से कहता रहा कि इस युद्ध को रोकना चाहिए। मगर उसका रुख एकतरफा ही था। वह स्पष्ट रूप से इजराइल के साथ खड़ा नजर आ रहा था। इजराइल को उसका समर्थन पिछले रविवार को तब पूरी तरह स्पष्ट हो गया, जब उसके बकरभेदी विमानों ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर भीषण बम बरसा दिए। उस समय माना जाने लगा कि यह जंग लंबी चलेगी। युद्ध विराम की सूचना ने दुनिया को सुखद आश्चर्य से भर दिया। मगर इसके साथ ही युद्ध विराम के उल्लंघन से एक बार फिर चिंता पैदा हुई है। हालांकि ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि इजराइल अब थक चुका है और ईरान के हमलों को नाकाम करने में विफल हो रहा है, इसलिए वह कदम पीछे खींचना चाहता है। फिर, अमेरिका को भी लग रहा था कि अगर वह इराक की तरह ईरान में भी फंस गया, तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। युद्ध शुरू करना तो आसान होता है, पर उसे समाप्त करना अपने हाथ में नहीं होता। फिर, किसी भी युद्ध के लंबे समय तक चलते रहने का असर न केवल संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था पर, बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों पर पड़ता है। ऐसे में, इस युद्ध विराम की घोषणा हर तरह से सराहनीय कही जा सकती है। इस युद्ध में कौन सही था, कौन गलत, इसका विश्लेषण तो बहुत हो चुका, इतिहास में भी होता रहेगा, पर अभी इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि यह विराम स्थायी रूप कैसे ले। विडंबना यह है कि ट्रंप के युद्ध विराम की खबर देने के बाद भी ईरान और इजराइल ने एक-दूसरे के ठिकानों पर बम फेंके और अभी वे एक-दूसरे को संघर्ष विराम के उल्लंघन का दोषी ठहराने में लगे हुए हैं। इससे यही लगता है कि दोनों के भीतर टीस अभी बनी हुई है। इसे भी समाप्त होना चाहिए। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सचमुच शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो ऐसा वातावरण बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं पर अधिक है। पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि युद्ध में नियम-कायदों और सारी नैतिकता को ताक पर रख दिया जा रहा है। इजराइल इतने समय से फिलिस्तीन में जिस तरह बम बरसा रहा है, उसमें निरपराध स्त्रियों, बच्चों तक की चिंता नहीं की गई, अस्पतालों में बीमार और घायलों की परवाह किए बिना बम गिराए गए, वह युद्ध अपराध की ही श्रेणी में आता है। फिर ईरान के विरुद्ध परमाणु हथियार बनाने के सबूत के बगैर उसने हमला कर दिया। परमाणु विकिरण की परवाह किए बिना अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम गिरा दिए। इसी तरह दुनिया के करीब उनसठ देश किसी न किसी रूप में संघर्षरत हैं। उनमें केवल अपनी ताकत दिखाने की कोशिशें अधिक देखी जा रही हैं। पर, ऐसी स्थितियों को रोकने के मकसद से गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अब जैसे अप्रासंगिक हो गई है। इसके चलते दुनिया भर में किसी न किसी रूप में प्रभाव पड़ रहा है। अमेरिका महाबली है और अब उस पर यह जिम्मेदारी सबसे अधिक है कि युद्ध की स्थितियों को टालने और रोकने के व्यावहारिक उपाय तलाश करे।

डिजिटल इंडिया का एक दशक, दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है

-नरेंद्र मोदी

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था।

जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया।

जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया।

जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वींचियों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है।

यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान)



बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ।

2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं।

आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

डिजिटल डिवाइड को पाटते हुए

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

भारत का 5त रोलआउट विश्व में सबसे तेज़ रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख वेंस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुंच चुका है।

ईंडिया स्टैंक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने ऋक्ष जैसे प्लेटफॉर्म को

सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गयी है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी काईस जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

-ललित गर्ग

कोलकाता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उसना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो विरुद्ध नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनक्रोध पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की वेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महोदा मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-ट्रेप पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान



दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रिमीो एक महिला है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अप्रध और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई को बजाय हल्की फुल्की फुटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बांडी शेमिंग करते नजर आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर

आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आघात बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ

शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना ही लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश

की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रयाल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल की मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाये व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की हट्ट क्यों एवं कैसे मिल जाती है। भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

बिहार में इस तरह का आरिखरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे बात किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराजगी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को उपआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैन फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, ज्यॉयकि महाराष्ट्र की यह मैन फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।

-डॉ. आशीष चशिश

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन —एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक किए जाने हैं जब

बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराजगी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैन फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, ज्यॉयकि महाराष्ट्र की यह मैन फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेंक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और



हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन औवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी थांथली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (अरजेंडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब

साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है। संविधान आयोग अलच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के- चुनावों के

लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन रहे है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या

बांग्लादेशी और रोहिंया की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर काटे जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं। बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रहे रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या औवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है।



खाना पकाने के लिए जैतून का तेल कितना स्वस्थ है?

यदि आप अपने दिल की फिफ़ रहती है, तो अपना खाना पकाने के तेल चुनते समय भी तेल की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

हेल्दी और अनहेल्दी फैट क्या है

भोजन में चार प्रमुख आहार वसा होते हैं। खराब वसा, जिसमें संतृप्त और ट्रांस वसा होते हैं, कमरे के तापमान (जैसे मक्खन) पर अधिक ठोस होते हैं, जबकि मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड वसा अधिक तरल होते हैं (जैसे कैनोला तेल)। अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट के विपरीत, अच्छे वसा शरीर में रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, इसलिए, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करते हैं। यह हृदय रोग से जुड़े ट्राइग्लिसराइड्स को भी कम करता है और सूजन से लड़ता है। अच्छे मोनोअनसैचुरेटेड वसा के कुछ अच्छे स्रोत हैं- जैतून, कैनोला, मूंगफली और तिल का तेल।

जैतून का तेल

कितना स्वस्थ है?

जैतून का तेल हेल्दी खाना पकाने का तेल है। जैतून से संतृप्त वसा पर बहुत कम है और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से युक्त होते हुए अच्छे वसा (मोनोअनसैचुरेटेड वसा) में ज्यादा समृद्ध है। कहा जाता है कि स्वस्थ खाना पकाने के तेल में 14% संतृप्त तेल, 11% पॉलीअनसैचुरेटेड, जैसे ओमेगा-6 और ओमेगा-3 फैटी एसिड और 73% मोनोअनसैचुरेटेड वसा होता है। जैतून के तेल में प्रमुख फैटी एसिड को ओलिक एसिड कहा जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, जैतून के तेल में बड़ी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, जो आपके पुराने रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

किसमें है ज्यादा फैट

जैतून से जैतून का तेल निकाला जाता है, वैसे ही नारियल से नारियल का तेल निकाला जाता है। दोनों फायदों से भरपूर है। एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर वेट लॉस फेंडली तेल भी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नारियल तेल में इसमें 80 से 90 प्रतिशत संतृप्त वसा (अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) होता है, जिसका अर्थ है कि नारियल के तेल के एक चम्मच में जैतून के तेल की तुलना में लगभग छह गुना अधिक संतृप्त वसा होती है।

कौन-सा तेल है बेहतर

जब हार्ट-स्वस्थ खाना पकाने के तेल की बात आती है, तो जैतून का तेल नारियल के तेल और खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले कई अन्य तेलों की तुलना में काफी बेहतर होता है। जैतून का तेल एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग के जोखिम को कम करता है, नारियल के तेल के विपरीत, जिसमें उच्च संतृप्त वसा होता है, जिसे हृदय रोग के जोखिम को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। जैतून का तेल टाइप 2 डायबिटीज और कुछ कैंसर के खतरे को कम करता है।



गलत खान-पान और पानी की कमी से बन सकती है किडनी में पथरी

किडनी मानव शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। किडनी का मुख्य काम शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना और पानी, अन्य तरल पदार्थ, रासायनिक और खनिज के स्तर को बनाए रखना है। यह शरीर में खून को भी फिल्टर करती है। स्वस्थ जीवन के लिए व्यक्ति के पास ठीक से काम करने वाली किडनी होनी चाहिए। मनुष्य रोजाना विभिन्न खाद्य पदार्थों का सेवन करता है, जो बाद में ऊर्जा में बाल जाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान कई तरह के विषाक्त पदार्थ शरीर में जमा होते रहते हैं। ऐसे जहरीले पदार्थों का जमा होना मानव शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है। शरीर में पानी की कमी से गुर्दे की पथरी यानी किडनी स्टोन बन सकती है। ये पथर या तो मटर के आकार के हो सकते हैं या गोल्फ की गेंद जितने बड़े हो सकते हैं। पथरी आमतौर पर कैल्शियम ऑक्सलेट और कुछ अन्य यौगिकों से बने होते हैं और इनकी बनावट क्रिस्टल होती है। गुर्दे की पथरी बनने से वजन कम होने, बुखार, मतली, रक्तमह और पेट के निचले हिस्से में गंभीर दर्द के साथ पेशाब करने में परेशानी हो सकती है। गुर्दे की पथरी ज्यादातर सर्जरी द्वारा हटा दी जाती है। लेकिन कुछ प्रभावी और प्राकृतिक तरीके हैं जिनके जरिए किडनी की पथरी को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है।

खूब पानी पिएं

जल को जीवन का अमृत माना गया है। यह हाइड्रेशन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। पानी गुर्दे को खनिजों और पोषक तत्वों को भंग करने में मदद करता है, और पाचन और अवशोषण की प्रक्रिया को तेज करता है। पानी शरीर से अनावश्यक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है जिससे किडनी को और नुकसान हो सकता है। जिन लोगों को गुर्दे

की पथरी है उन्हें इन पथरों को पेशाब के माध्यम से बाहर निकालने के लिए दिन में 7-8 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है।

नींबू का रस और जैतून का तेल



नींबू के रस और जैतून के तेल का मिश्रण सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन यह किडनी की पथरी को शरीर से बाहर निकालने का एक बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय साबित हो सकता है। जो लोग अपनी किडनी से पथरी को प्राकृतिक रूप से हटाना चाहते हैं उन्हें इस तरल को रोजाना तब तक पीना चाहिए जब तक कि पथरी निकल न जाए। जबकि नींबू का रस गुर्दे की पथरी को तोड़ने में मदद करता है, जैतून का तेल बिना किसी समस्या या जलन के सिस्टम से गुजरने के लिए लुब्रिकेंट के रूप में कार्य करता है।

सेब का सिरका

सेब के सिरके में साइट्रिक एसिड होता है जो किडनी स्टोन को छोटे-छोटे कणों में तोड़ने और घुलने की प्रक्रिया में मदद करता है। यह मूत्रमार्ग के माध्यम से गुर्दे की पथरी को हटाने में मदद करता है। सेब के सिरके का सेवन विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और किडनी को भी साफ



गलत खान-पान और पानी की कमी से किडनी में पथरी बन सकती है। यह गंभीर समस्या है जिसका तुरंत इलाज किया जाना चाहिए। इसमें मरीज को गंभीर दर्द होता है। मेडिकल में इसके कई इलाज हैं लेकिन कुछ घरेलू उपचारों के जरिए किडनी की बाहर निकाला जा सकता है।

करने में मदद करता है। दो बड़े चम्मच सेब का सिरका रोजाना गर्म पानी के साथ तब तक लिया जा सकता है जब तक कि किडनी से पथरी पूरी तरह से निकल न जाए।

कॉर्न हेयर या कॉर्न सिल्क

मछे के बाल या मछे का रेशम मछे की भूसी में पाया जाता है और आमतौर पर इसे फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किडनी स्टोन को सिस्टम से बाहर निकालने के मामले में यह बेहद कारगर है। मछे के बालों को पानी में उबालकर बाद में छानकर सेवन किया जा सकता है। यह नए पथरों के निर्माण को भी रोकता है और एक मूत्रवर्धक है जो मूत्र के प्रवाह को बढ़ाता है। मकई के बाल गुर्दे की पथरी के साथ होने वाले दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं।

अनार का रस

नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, अनार कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अनार का रस सबसे अच्छे प्राकृतिक पेय में से एक है जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। यह गुर्दे की पथरी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में मदद करता है। इसमें अच्छे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करते हैं।



मिलता है और सिरदर्द से भी राहत मिलती है।

आइस पैक

बर्फ के टुकड़ों को किसी कपड़े में लपेटकर माथे पर हल्के हाथों से दबाएं। इससे आपको दर्द से आराम मिलेगा। आप थोड़ी-थोड़ी देर में भी आइस पैक को माथे पर लगा सकते हैं। सिरदर्द को ठीक करने में यह सबसे कारगर उपाय है।

हॉट राइस बैक

इसके लिए आपको कच्चे चावल को तवे पर गर्म करना है। इसके बाद इन चावलों को किसी पॉलीबैग में भर लें। इससे आप माथे पर सेंक लगा सकते हैं। इससे भी आपका सिरदर्द काफी हद तक ठीक हो जाता है।

पानी

कभी-कभी पानी की कमी से भी शरीर खासकर सिर में दर्द होता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखें और तेजी से कम से कम दो गिलास ठंडा पानी पिएं। इससे भी सिरदर्द में काफी आराम मिलता है।



सुबह की शुरुआत करने के लिए बेस्ट ड्रिंक है शहद-पानी

सुबह की शुरुआत अक्सर लोग चाय-कॉफी से करते हैं। हालांकि कुछ लोग वजन घटाने के लिए शहद का पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पानी कई तरह से आपकी हेल्थ के लिए फायदेमंद है। शहद में एंटी इन्फ्लेमेटरी, औषधीय और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो अलग बीमारियों को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा भी ये काफी तरह से फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी के लिए बेहतर

शहद में फाइबर होता है ऐसे में ये पाचन के लिए अच्छा साबिक होता है। शहद का पानी सूजन को कम करता है और आपके पाचन में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक केमिकल की मात्रा को कम करता है जो ब्लॉटिंग और गैस के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा शहद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद कर सकता है।

सामान्य सर्दी जुकाम छू मंतर

अध्ययनों से पता चला है कि एक गिलास गर्म शहद का पानी पीने से सामान्य सर्दी, बुखार और खांसी से बचा जा सकता है। ऐसे में आप हर सुबह इस जादुई मिश्रण को पी सकते हैं। तेजी से वजन घटाने के लिए बेस्ट है लौकी का पानी, यहां सीखें बनाने का तरीका

वजन घटाने में मददगार

ज्यादातर मामलों में, वजन बढ़ने से खराब पाचन, कब्ज, स्लो मेटाबॉलिज्म और पाचन संबंधी दूसरी समस्याएं होती हैं। शहद का पानी इन सभी समस्याओं से लड़ता है और आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जो आपको वजन कम करने में मदद करता है। इसी के साथ खाली पेट एक गिलास गर्म शहद का पानी पीना से आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

दिल की बीमारी में फायदेमंद

शहद का पानी पीने से शरीर में ब्लड के थक्कों को बनने से रोक जा सकता है। अगर आप अपने ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत इस जादुई ड्रिंक से करें।

डल और ड्राई स्किन होगी दूर

डिहाइड्रेशन आपकी स्किन को डल और ड्राई बना सकता है। इसलिए, सुबह सही मात्रा में पानी पीने से आपकी त्वचा दिन भर फ्रेश और सॉफ्ट दिखेगी।

कैसे बनाएं शहद का पानी

इसे बनाने के लिए एक पैन में एक गिलास पानी गर्म करें। फिर इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें। अच्छे रिजल्ट के लिए आप इसमें 1 चम्मच नींबू का रस भी मिला सकते हैं। इस ड्रिंक को रोज सुबह खाली पेट पिएं।

इन घरेलू तरीकों से ठीक करें सिरदर्द, नींद भी आएगी अच्छी

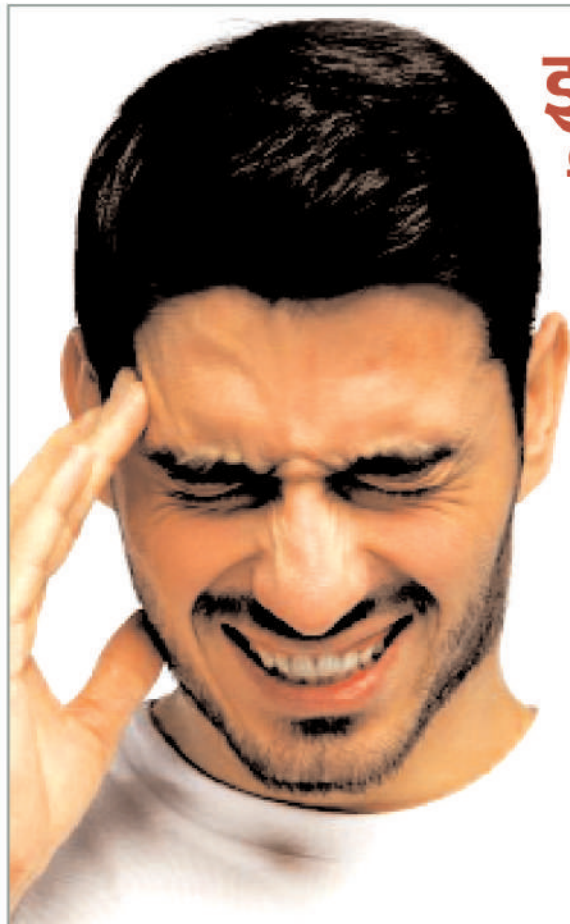
सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं।

सिरदर्द सबसे आम परेशानी। शायद ही दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होता जिसे कभी सिरदर्द नहीं हुआ होगा। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं, जिनकी सुबह की शुरुआत ही सिरदर्द से होती है। सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी

होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। ऐसे में कई लोग तो सिरदर्द होने पर हमेशा पेनकिलर का सहारा लेते हैं। उन्हें पेनकिलर्स खाने की इतनी आदत पड़ जाती है कि माइल्ड पेन होने पर भी वे बार-बार पेनकिलर्स लेने लगते हैं जबकि हमेशा पेनकिलर खाना सेहत पर भारी पड़ सकता है। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं सिरदर्द होने पर आप क्या उपाय कर सकते हैं

हेड मसाज

सिर की मालिश को कभी भी लाइट न लें, खासकर अगर आपके सिर में दर्द हो रहा है, तो आपको किसी भी ऑयल से हेड मसाज जरूर करानी चाहिए। इससे आपकी नसों को काफी आराम



लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल अरोमा थेरेपी में किया जाता है। इससे आपको शांति और सुकून मिलता है। इसके लिए सबसे पहले लैवेंडर ऑयल को गर्म कर लें और इसे किसी ऐसी जगह पर रख दें, जिससे इसकी महक अच्छी तरह आए।

ब्रीदिंग

एक्सरसाइज

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कम से कम 10 मिनट तक करें। इस एक्सरसाइज को करने से आपको काफी आराम मिलता है। ब्रीदिंग एक्सरसाइज से नसें काफी रिलेक्स हो जाती हैं।

आयुर्वेदिक चाय

आयुर्वेदिक चाय भी सिरदर्द को ठीक करने में कारगर मानी जाती है। आप मसाला चाय भी पी सकते हैं। कोशिश करें कि चाय को गर्म सिप-सिप करके पिएं। ठंडी चाय आपका सिरदर्द बढ़ा सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का जिले में आगमन 4 जुलाई को

मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन में होंगे शामिल

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 4 जुलाई को जिले के सरई अंचल में आगमन होगा। मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को मद्देनजर रखते हुये देवसर विधानसभा के विधायक राजेन्द्र मेश्राम, कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मनोप खत्री, एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के द्वारा मुख्यमंत्री के लिए कार्यक्रम हेतु तैयारियों का गहनता पूर्वक निरीक्षण करते हुये सभा स्थल पर बैठक व्यवस्था, बैरिकेटिंग, पेयजल, वाहनो के पार्किंग व्यवस्था, हेलीपैड सहित सभा स्थल तक पहुंच मार्ग व्यवस्था आदि का अवलोकन करते हुये निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री

कार्यक्रम हेतु की जा रही तैयारियों का गहनता पूर्वक निरीक्षण करते हुये सभा स्थल पर बैठक व्यवस्था, बैरिकेटिंग, पेयजल, वाहनो के पार्किंग व्यवस्था, हेलीपैड सहित सभा स्थल तक पहुंच मार्ग व्यवस्था आदि का अवलोकन करते हुये निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री

करने के साथ ही पेयजल, शौचालय, अग्निशमक आदि का उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा जिले के जिन विकास कार्यों का लोकार्पण भूमिपूजन कराया जाना है उनकी सूची तैयार कर विकास कार्यों की शिलापट्टीका तैयार कराकर व्यवस्थित कर ले। इसके अलावा भी कार्यक्रम के तैयारियों के संबंध में कलेक्टर द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम देवसर अखिलेश सिंह, एसडीएम माड़ा राजेश शुक्ला, नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिकी, देवेन्द्र द्विवेदी, तहसीलदार सरई चन्द्र शेखर मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



करने के साथ ही पेयजल, शौचालय, अग्निशमक आदि का उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए गए। साथ ही निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा जिले के जिन विकास कार्यों का लोकार्पण भूमिपूजन कराया जाना है उनकी सूची तैयार कर विकास कार्यों की शिलापट्टीका तैयार कराकर व्यवस्थित कर ले। इसके अलावा भी कार्यक्रम के तैयारियों के संबंध में कलेक्टर द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम देवसर अखिलेश सिंह, एसडीएम माड़ा राजेश शुक्ला, नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिकी, देवेन्द्र द्विवेदी, तहसीलदार सरई चन्द्र शेखर मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के सरई आगमन पर कांग्रेस ने सीएम से मिलने का मांगा समय

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर सौंपेगा 21 सूत्रीय ज्ञापन

सिंगरौली। क्षेत्रीय जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस एक बार फिर सक्रिय हुई है। सिंगरौली जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरई अध्यक्ष रणबहादुर सिंह ने अपनी टीम के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रस्तावित सरई दौरे को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की गंभीर समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने का निर्णय लिया है, जिसे फिलहाल तहसीलदार सरई को सौंपकर मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा गया है। ज्ञापन पत्र में कुल 21 प्रमुख मांगों शामिल हैं, जिनमें सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं की बहाली और रोजगार जैसी ज्वलंत समस्याओं

को जाए। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रणबहादुर सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनहित में कार्य करती रही है और इस ज्ञापन के माध्यम से सरकार को जनता की आवाज सुनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन कांग्रेस प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री से मिलने का अवसर देता है तो वे सभी समस्याएं प्रत्यक्ष रूप से उनके समक्ष रखेंगे। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन कांग्रेस प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री से मिलने का समय देता है या नहीं। फिलहाल कांग्रेस का यह कदम सरई क्षेत्र की उपेक्षित समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने की एक सार्थक पहल मानी जा रही है।

का विशेष उल्लेख किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि इन बुनियादी समस्याओं से सरई क्षेत्र की आम जनता त्रस्त है और इनका शीघ्र समाधान आवश्यक है। ज्ञापन में मांग की गई है कि क्षेत्र की जर्जर सड़कों का शीघ्र निर्माण किया जाए, पेयजल संकट के स्थायी समाधान हेतु नई योजनाएं लाई जाएं, बिजली की अनियमित आपूर्ति को सुधारा जाए, और स्वास्थ्य सेवाओं में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित

एनसीएल कालोनी के सुने आवासों को निशाना बनाने वाले 2 शांतिर चोर गिरफ्तार

मोरवा में 3 घरों का ताला तोड़कर की थी चोरी, करीब 3 लाख के घरेलू सामान बरामद

सिंगरौली। बीते कुछ दिनों से मोरवा स्थित एनसीएल कॉलोनी के सुने पड़े आवासों को निशाना बनाया जा रहा था। शांतिर चोर घरों में संधमारी कर घरेलू सामान उठा ले जा रहे थे। जिसपर थाना प्रभारी मोरवा उमेश प्रताप सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुये तीन अलग अलग टीमें बनाकर चोरों की तलाश की जाने लगी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर जल्द ही 2 चोरों को गिरफ्तार कर लिया। जिनसे पृष्ठताल में तीन बड़ी चोरियों सहित अन्य छोटी चोरियों का खुलासा हुआ और करीब 3 लाख का घरेलू सामान बरामद कर लिया गया। गौरतलब है कि बीते माह 26 जून को फरियादी कुंवर प्रताप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके सुने आवास पर संधमारी



कर 70 हजार का सामान अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। मोरवा पुलिस ने अप.क्र. 387/25 धारा 331 (4), 305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में

बड़ी टीवी लैपटॉप सहित करीब 80 हजार रुपये सामान अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है, इस मामले में अप.क्र.402/25 कायम कर विवेचना में लिया गया, एक अन्य फरियादी राजू कुमार कालोनी क्राउट नं. 1 बी 43 ने थाना आकर रिपोर्ट कि दिनांक 17 जून से एक सप्ताह तक बाहर गये थे घर पर कोई नहीं था आकर देखे तो चोरी हो गई थी जिसमें 90 हजार रुपये का कीमती सामान चोरी हो गया था, इस मामले में भी मोरवा पुलिस द्वारा अपराध सदर कायम किया गया। मुखबिर सूचना पर लगातार प्रयास के बाद शांतिर बदमाश विकास बाल्मीकि पिता रवी बाल्मीकि उम्र 23 वर्ष निवासी एनसीएल कालोनी द्वारा चोरियां किया जाना पता चलने पर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उक्त बदमाश अपने एक अन्य साथी छोटा अण्डा उर्फ नीरज दास पिता नन्हू दास उम्र 20 वर्ष निवासी मोरवा के साथ दिन में सुने घर की तलाश रैकी करता था एवं रात में दोनों घरों का ताला तोड़कर चोरी करते थे। आरोपी के घर एवं अन्य स्थान से चोरी का घरेलू सामान लगभग तीन लाख रुपये का जप्त किया गया, तथा आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही में उप निरी. एनपी तिवारी, सडनि उमेश अग्निहोत्री, डीएन सिंह, पिन्कू राय, संतोष सिंह, प्रभार अर्जुन सिंह, कुलदीप शर्मा, विवेक सिंह, धर्मेन्द्र सोनी, विपिन तोमर, आर. आकाश, तुलसीराम, दशरथ मांझी, एसडीओपी कार्यालय से अब्दुल कादिर जितेन्द्र जाट शामिल थे।

लायंस क्लब विद्युत विहार के द्वारा मनाया गया डॉक्टर्स तथा सीए डे सम्मान समारोह

सिंगरौली। क्लब अध्यक्ष लायन सुभाष चंद्र बैस की अध्यक्षता में लायंस क्लब विद्युत विहार के द्वारा डॉक्टर्स व सीए डे सम्मान समारोह का कार्यक्रम काइटस राइट्स पब्लिक स्कूल बैडन के प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन तथा दीप प्रज्वलन से किया गया, जिसमें डॉ.ओपी राय, लायन डॉ. डीके मिश्रा, डॉ. राजेश बैस, डॉ. सरिता शाह, डॉ. विभा चौरसिया, लायन सीए ओम प्रकाश सिंह, लायन सीए सोरभ टंडन, सीए कृष्ण कुमार बैस,



सीए स्वागत अग्रवाल उपस्थित थे। उपस्थित सभी का सम्मान श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह देकर किया गया। उपस्थित डॉक्टरों ने अलग-अलग मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, इसके साथ ही उपस्थित सभी सीए ने अपने विचार रखें जिसमें कहा गया कि सभी लोगों को समय पर अपना टेक्स जमा करना चाहिए

रूप से मंडल जीएसटी कोऑर्डिनेटर लायन एस पी सिंह, रीजन चेयरपर्सन लायन अमित राज, जोन चेयरपर्सन लायन श्याम नारायण सिंह, सचिव लायन अशोक उपाध्याय, कोषाध्यक्ष लायन सतीश चौरसिया, प्रोग्राम चेयरपर्सन लायन प्रशांत सिंह, सर्विस चेयरपर्सन लायन नटवर दास अग्रवाल, उपाध्यक्ष लायन डॉ. रवि भूषण, लायन विजय नारायण सिंह, लायन उमेश जायसवाल, लायन पंकज सिंह, लायन विनोद शाह उपस्थित रहे।

सीएम से 97.67 लाख के कीटाणुरोधी दवाई खरीदी की होगी शिकायत, डीईओ की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

सरकारी स्कूलों के शौचालय के लिए बाजार दर से कई गुना अधिक में खरीदा कीटाणुरोधी गोलियां व स्प्रे, अब तक नहीं पहुंची दवाईयां

सिंगरौली। सीएम डाक्टर मोहन यादव का 4 जुलाई को एक दिवसीय दौरा प्रस्तावित होने के बाद डीईओ की चिंता बढ़ा दी है। चर्चा है कि बिना जरूरत के शिक्षा विभाग द्वारा करीब 97.67 लाख के कीटाणुरोधी गोलियां और स्प्रे की खरीदी की है। जबकि हालत यह है कि 90 फीसदी स्कूलों के शौचालय में पानी की व्यवस्था न होने से उपयोग नहीं हो रहा है। वहीं आरोप लगाए जा रहे हैं कि खरीदे गए कीटाणुरोधी दवाइयां बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर खरीदे गए हैं। सरकारी पैसों के दुरुपयोग को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे। बता दें कि सीएम मोहन यादव एक दिवसीय दौरे पर सिंगरौली पहुंच रहे हैं। चर्चा है कि डीईओ

की कीटाणुरोधी दवाइयों की खरीदी को लेकर सीएम से शिकायत की जाएगी। दरअसल अधिकतर सरकारी स्कूलों में पानी के अभाव में शौचालय बंद होने के बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी ने कीटाणुनाशक दवाइयां बाजार मूल्य से अधिक दामों में खरीदें हैं। जिले भर के स्कूलों के लिए कीटाणुरोधी

गोलियां सोडियम डायक्लोआइसोसिनान्क्वैरेट (एनएडीसीसी) व स्प्रे की जेम पोर्टल से 97 लाख 67 हजार 790 रुपये की खरीदी की गई है। ऐसे में ये सवाल उठने लगा है कि शिक्षा विभाग करोड़ों रुपए से कीटाणुरोधी गोलियां और स्प्रे की भारी मात्रा खरीद कर कहा इस्तेमाल करेगा।

मोहर्रम को लेकर मोरवा थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न



सिंगरौली। आगामी 6 जुलाई को मुस्लिम समुदाय द्वारा मोहर्रम में मातमी जुलूस निकाला जाना है। इसे लेकर मोरवा नगर निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आहूत की गई। जिसमें सभी समुदाय से लोग मौजूद रहे। थाना प्रभारी ने सरकार के नियमों का पालन करते मोहर्रम शांति पूर्वक मनाने की अपील की। उन्होंने संबंधित जिम्मेदार लोगों को जुलूस में शामिल लोगों से

अनुशासन बनाए रखने समेत पहले से रूट पर ही ताजिया ले जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वाले की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारी या मोरवा थाने को दें। साथ ही जुलूस के दौरान धारदार हथियार से प्रदर्शन ना करें। इस दौरान ताजिया की ऊंचाई समेत यातायात व्यवस्था के विषय में उन्होंने समुदाय के लोगों से जानकारी ली। शांतिपूर्ण जुलूस निकालने को लेकर विभिन्न समुदायों द्वारा दिए गए सुझाव पर विचार करते हुए उन्होंने नगर निगम से विद्युत व्यवस्था बहाल रखने के साथ चुनिंदा जगह पर पर्याप्त रोशनी रखने के लिए पत्र लिखने की बात कही है।

पीएचई कार्यपालन यंत्री का निलंबन फिर 13 दिन बाद बहाली

जल जीवन मिशन की प्रगति रही नगण्य, मुख्य अभियंता ने किया था निलंबित

सिंगरौली। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पदस्थ कार्यपालन यंत्री त्रिलोक सिंह बरकड़े का निलंबन एवं उसके ठीक 13 दिन बाद बहाली सवालों के घेरे में आ गई है। 13 दिनों के अंदर ऐसा क्या हुआ कि कार्यपालन यंत्री को बहाल कर सिंगरौली पदस्थ कर दिया गया। हालांकि निलंबन के पूर्व बरकड़े के पास सिंगरौली का अतिरिक्त प्रभार था। इधर बता दें कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री त्रिलोक सिंह बरकड़े 24 अप्रैल के पूर्व तक सीधी में पदस्थ थे और इस दौरान कार्यपालन यंत्री बरकड़े के पास सिंगरौली का अतिरिक्त प्रभार था। 22 अप्रैल 2025 को जल जीवन मिशन एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक भोपाल स्तर से की गई थी। जिसमें त्रिलोक सिंह बरकड़े



प्रस्तुत कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुये निलंबन से बहाल किये जाने का आग्रह किया था। जहां उक्त अध्यावेदन पर विचार उपरांत अवर सचिव म.प्र. शासन पीएचई भोपाल के द्वारा 7 मई को बहाल कर सिंगरौली खण्ड में पदस्थ कर दिया गया। अब सवाल उठ रहा है कि जिन योजनाओं के कार्यों की प्रगति पिछले कई सालों से नगण्य रही, वह 13 दिनों के अंदर कैसे ठीक-ठाक हो गया। कार्यपालन यंत्री 13 दिनों के अंदर बहाली किये जाने को लेकर प्रदेश सरकार एवं पीएचई के कुछ

अधिकारी के साथ-साथ मंत्री भी सवालों के कटघरों में आ गये। वहीं सवाल यह भी उठया जा रहा है कि कार्यपालन यंत्री बरकड़े को सीधी-सिंगरौली में ही क्यों पदस्थ किया जा रहा है और जब निलंबन के पूर्व सीधी के साथ-साथ सिंगरौली का प्रभार था, फिर बहाली के बाद सिंगरौली में पदस्थापना क्यों की गई। हालांकि इसका जवाब विभागीय उच्च अधिकारी भी नहीं दे पा रहे हैं। जिले के पालक मंत्री के विभाग का है मामला प्रदेश सरकार के कैबिनेट लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग म.प्र. शासन भोपाल सम्पत्तियां उर्देके विभाग का यह मसला है। पीएचई मंत्री को सिंगरौली

के प्रभारी मंत्री भी हैं। जहां इन दिनों पीएचई विभाग चर्चाओं में बना हुआ है। वहीं सीधी से निलंबित निलंबित कार्यपालन यंत्री बरकड़े को 13 दिन के अंदर बहाल कर सिंगरौली खण्ड का जिम्मा सौंप दिया जाए, यह चर्चा का विषय बना हुआ है। आखिर कार इस बात की चर्चाएं हो रही हैं कि निलंबित कार्यपालन यंत्री कौन ऐसा जादू किया कि एक खुद के अध्यावेदन में सब कुछ ठीक-ठाक हो गया। कहीं न कहीं विपक्षी दलों को सरकार के खिलाफ बोलने के लिए मौका जरूर मिल गया है।

मंत्री ने भीधन गर्मी में भी नहीं किया था पेयजल की समीक्षा जिले में इस वर्ष गर्मी के महीने में पेयजल की भारी क्लिष्ट रही है। कई गांवों के हैंडपंप व राईजर पाइप के अभाव से ड्राई हो गये थे। भू-जल स्तर नीचे खिसकने के कारण जिले के कई गांवों में बाल्टी भर पानी के लिए त्रिह-त्रिह मचो थी। हालांकि कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला पेयजल समस्या को लेकर गंभीर थे और जानकारी मिलने पर संबंधित गांव में टीम भेजकर बिगड़े हैंडपंपों का मरम्मत एवं टैंकों से पेयजल की आपूर्ति भी कराया। वहीं 18 एवं 19 मई को दो दिवसीय पीएचई एवं जिले के प्रभारी मंत्री का दौरा हुआ था। लेकिन उन्होंने अपने विभाग की समीक्षा नहीं की। जिले में पेयजल की स्थिति क्या है, उस पर चर्चा करना ही उचित नहीं समझा था। उसके पीछे कारण बरकड़े हो सकते हैं।

डेटिंग रूमर्स के बीच कार्तिक आर्यन और श्रीलीला ने साथ में किया डिनर, वीडियो हुआ वायरल

बॉलीवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन एक बार फिर अपने लव अफेयर को लेकर चर्चा में आ गए हैं। इस बार उनके साथ जुड़ा है साउथ की ग्लैमरस एक्ट्रेस श्रीलीला का नाम। बीते कुछ दिनों से दोनों को कई बार एक साथ देखा गया है और हाल ही में दोनों को देर रात मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर फैस ने इन्हें लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

कार्तिक और श्रीलीला की ये लेट नाइट मुलाकात जैसे ही कैमरे में कैद हुई, इंटरनेट पर कमेंट्स का सैलाब आ गया। वीडियो में दोनों को हंसते-मुस्कुराते और साथ वक्त बिताते देखा गया। फैस ने कमेंट बॉक्स में मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, 'नई जोड़ी सुपरहिट लग रही है।'

सूत्रों की मानें तो कार्तिक और श्रीलीला अनुराग बसु की फिल्म 'आशिकी 3' में साथ नजर आने वाले हैं। इस

रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और दोनों स्टार्स इन दिनों फिल्म की स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स में साथ दे रहे हैं। ऐसे में दोनों के बीच बढ़ती नजदीकियों को लेकर बातें होना लाजमी है।

हाल ही में श्रीलीला के जन्मदिन पर कार्तिक ने एक प्यारी सी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसमें दोनों काफी क्यूट लग रहे थे। इस पोस्ट ने फैस के बीच इनकी रिलेशनशिप की चर्चा को और हवा दी।

मुंबई में स्पॉट किए जाने के दौरान कार्तिक ने कैजुअल ब्लू शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी, वहीं श्रीलीला फ्लोरल आउटफिट में नजर आईं। दोनों कैमरे के सामने बेहद सहज दिखे और कार्तिक ने अपनी ट्रेडमार्क स्माइल से सबका दिल जीत लिया।

जहां कार्तिक 'तू मेरी में तेरा' और 'नागजिला' जैसी फिल्मों में बिजी हैं, वहीं श्रीलीला भी साउथ की बड़ी फिल्मों के साथ-साथ अब बॉलीवुड में भी अपनी पहचान मजबूत कर रही हैं।

हालांकि दोनों सितारों ने अभी तक अपने रिलेशनशिप को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन जिस तरह से दोनों को बार-बार साथ में देखा जा रहा है, उससे इनके अफेयर की चर्चाएं दिन-ब-दिन तेज होती जा रही हैं।



तृप्ति और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने फिर शेयर की एक जैसी तस्वीरें, एक्ट्रेस ने लिखा- मेरा सीक्रेट

तृप्ति डिमरी जब फिल्मों में व्यस्त नहीं होती हैं तो वेकेशन पर चली जाती हैं। मगर वह अकेले वेकेशन पर नहीं होती हैं, अक्सर रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्जेंट भी साथ होते हैं। दोनों एक ही लोकेशन फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं, मगर साथ कभी तस्वीरों में नजर नहीं आते हैं। हाल ही में वेकेशन की कुछ तस्वीरें तृप्ति ने शेयर की हैं, जिनमें ऐसा हिट दिया है, जिससे लगता है कि वह अब दुनिया के सामने अपना रिश्ता सैम मर्जेंट से कबूल कर रही हैं। जानिए, ऐसा क्या लिखा है तृप्ति ने अपनी शेयर की गई फोटोज में।

सैम मर्जेंट की तस्वीरों को देखकर लगता है कि वह गोवा में छुट्टियां मना रहे हैं। जिस होटल में वह रह रहे हैं, वहां पर एक स्वीमिंग पुल है, जिसकी फोटो सैम ने शेयर की हैं। बिल्कुल वैसी ही फोटो तृप्ति ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर लगाई है। इससे पता चलता है कि दोनों एक ही जगह पर मौजूद हैं। तृप्ति ने



इंस्टाग्राम पर जो फोटो शेयर की है, उसमें खूबसूरत सा होटल दिख रहा है। इस तस्वीर पर तृप्ति ने लिखा है, 'मेरा सीक्रेट हाइडआउट' यानी मेरी सीक्रेट छुपने की जगह। इस फोटो में तृप्ति ने सैम मर्जेंट को टैग भी किया है। ऐसा वह पहले नहीं करती थीं। इससे साफ होता है कि अब तृप्ति खुलकर सैम के साथ अपना रिश्ता स्वीकार कर रही हैं। तृप्ति डिमरी के करियर फ्रंट की बात करें तो वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्मिस्ट' कर रही हैं। इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण थीं। बाद में दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। इससे पहले वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में नजर आ चुकी हैं।



मेकर्स ने दिखाई रामायण की पहली झलक रणबीर और यश को देखकर खुश हुए फैस



बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर को मच अवेटेड फिल्म रामायण का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें रणबीर कपूर राम के अवतार में नजर आ रहे हैं। वहीं रावण के किरदार में एक्टर यश नजर आ रहे हैं। 3 मिनट के इस वीडियो में फिल्म के दो ही किरदारों की पहली झलक देखने को मिली। फिल्म के पहले लुक में रणबीर कपूर को धनुषधारी योद्धा के रूप में दिखाया गया है। उनकी आंखों में दृढ़ निश्चय और पीठ पर टंगे धनुष के साथ वो एक सच्चे योद्धा की तरह दिख रहे हैं। बैकग्राउंड में दिख रहा उदयमान सूरज और बादलों का समावेश इस पोस्टर को और भी भव्य बनाता है। रणबीर के इस लुक ने साबित कर दिया है कि वो राम के किरदार में जान फूंकने वाले हैं। फर्स्ट लुक टीजर में फिल्म की भव्यता साफ झलक रही है। राम और रावण के बीच के संघर्ष को दमदार विजुअल्स के साथ दिखाया गया है।

एक सीन में रणबीर को जंगल में पेड़ पर चढ़कर धनुष चलाते हुए देखा जा सकता है। यश का रावण लुक भी काफी शक्तिशाली प्रतीत हो रहा है। रामायण फिल्म को लेकर सनी देओल ने पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा- सम्मानित महसूस कर रहा हूं उस कथा का हिस्सा बनकर, जिसने पीढ़ियों को आकार दिया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की रामायण की दुनिया में- राम बनाम रावण की अमर गाथा। वहीं रवि दूबे ने भी रामायण के फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए लिखा- हरि अनन हरी कथा अनन्ता।

इस फिल्म की स्टारकास्ट भी किसी ब्लॉकबस्टर से कम नहीं है। जहां रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में हैं, वहीं सई पल्लवी मां सीता के रूप में दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। इनके अलावा सनी देओल हनुमान के अवतार में नजर आएंगे, जिनकी आक्रामकता और भावनात्मक गहराई दोनों इस किरदार को मजबूती देने वाली हैं।

धर्म की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान में उतरे पवन कल्याण, बाँबी देओल से करेंगे मुकाबला

साउथ स्टार पवन कल्याण की मच अवेटेड फिल्म 'हरि हर वीरमह्नु' का ट्रेलर आज जारी हो गया है। इस हिस्टोरिकल एपिक ड्रामा का फैस लंबे वक्त से इंताजार कर रहे थे। ट्रेलर में पवन कल्याण के अलावा बाँबी देओल का भी बमबंद अंदाज देखने को मिला है। 3 मिनट लंबे इस ट्रेलर की शुरुआत एक वॉइस ओवर से होती है, जिसमें मुगल काल के इतिहास के बारे में बताया जाता है। वॉइस ओवर में कहा जाता है 'एक ऐसा समय जब हिंदू बने रहने की कीमत चुकानी पड़ी। एक ऐसा समय जब भारत की संस्कृति और परंपरा जुल्मी बादशाह के पांव तले रौंदी जा रही थी। ऐसे समय स्वयं प्रकृति की कोख से जन्म लेता है एक सच्चा वीर।' इसके बाद ट्रेलर में मुगल साम्राज्य को दिखाया जाता है। इसके बाद पंटी होती है मुगल साम्राज्य के सबसे खूंखार और जुल्मी माने जाने वाले शासक औरंगजेब की, जिसके किरदार में नजर आए हैं बाँबी देओल। 'कंगूवा' के बाद बाँबी देओल एक बार फिर खतरनाक अंदाज में नजर आए हैं। इसके बाद धर्म के रक्षक के रूप में पंटी मारते हैं पवन कल्याण, जो फिल्म में वीरमह्नु की भूमिका में नजर आए हैं।

ब्रेक के बाद फिल्मों में एक्टिव हुए विक्रांत, बोले- अब हर चीज को लेकर वलीयर हूं

पिछले साल अपने परिवार, हेल्थ पर ध्यान देने के लिए विक्रांत सैसी ने एक्टिंग से ब्रेक लेने की घोषणा की थी। एक्टर ने साफ कहा था कि ब्रेक कुछ महीनों का होगा। हाल ही में अपने इस करियर ब्रेक के बारे में विक्रांत ने बात की है। साथ ही वह अपनी जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर भी उत्साहित हैं। पीटीआई से की गई बातचीत में विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मेरा ब्रेक खत्म हो गया है। मैंने बस छह महीने का ब्रेक लिया था। अब मैं हर चीज को लेकर बहुत क्लीयर हूं। पर्सनल लाइफ हो या करियर, सब चीजों को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल क्लीयर हो चुका है। मैंने इस ब्रेक में महसूस किया कि एक्टिंग मेरी जिंदगी का हिस्सा है, साथ ही कई और चीजें भी मेरे लिए बहुत अहम हैं।' विक्रांत ने करियर ब्रेक के दौरान परिवार के साथ खूब समय गुजारा।



वह कहते हैं, 'मैंने बेटे वरदान के साथ समय बिताया, खूब सारी फिल्मों देखी। उन चीजों पर नोट्स बनाए हैं, जिन पर मुझे काम करना है। मेरी कोशिश एक एक्टर के तौर पर खुद को बेहतर बनाना है।' विक्रांत आगे कहते हैं, 'ब्रेक के बाद मेरे अंदर एक ठहराव भी आ गया है। मैंने अपनी सभी भी फिल्मों देखीं, इन पर गौर किया। उन फिल्मों में और बेहतर काम कर सकता था। अब मैं जिन फिल्मों का हिस्सा बन रहा हूं, उनमें इन बातों का ध्यान रखूंगा।' विक्रांत मैसी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर के एक्टिंग कर रहे हैं। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' रस्किन बॉन्ड की शॉर्ट स्टोरी 'द आइज हैव इट' पर बेस्ड है। विक्रांत, राइटर रस्किन बॉन्ड के फैन हैं। वह फिल्म में अंधे इंसान का किरदार निभा रहे हैं।

अक्षरा सिंह-विक्रांत की 'रुद्र-शक्ति' का ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह और एक्टर विक्रांत सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रुद्र-शक्ति को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिनों फिल्म का टीजर जारी हुआ था। आज गुरुवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इस फिल्म में अक्षरा शक्ति के रूप में नजर आएंगी, वहीं विक्रांत को रुद्र के किरदार में देखा जाएगा। विक्रांत भगवान शिव के परम भक्त की भूमिका में हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि शक्ति को रुद्र से प्रेम है। तभी कुछ विलेन उन्हें परेशान करते हैं, जिन्हें रुद्र सबक सिखाते हैं। इस फिल्म को वाराणसी की खूबसूरत लोकेशन में शूट किया गया है।

फिल्म रुद्र शक्ति एक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म के निर्माता सीबी सिंह और राजीव सिंह हैं। फिल्म का निर्देशन निशांत सी शेखर ने किया है। रुद्र शक्ति 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक



देगी। फिल्म के ट्रेलर पर दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। एक यूजर ने लिखा, भोजपुरी में ऐसी फिल्म की जरूरत है। एक अन्य यूजर ने लिखा, इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाहॉल में भीड़ जुट जाएगी। इसके अलावा कुछ नेटिजन्स कमेंट बॉक्स में हर हर महादेव और जय महाकाल के जयकारे भी लगा रहे हैं।

अक्षरा सिंह के अदाकारा होने के साथ-साथ चर्चित सिंगर भी हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री में उनकी गायिकी और अभिनय के फैस दीवाने हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उन्हें 6.7 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। विक्रांत सिंह की बात करें तो वे भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिखा के पति हैं। रुद्र शक्ति में अक्षरा और विक्रांत की जोड़ी को देखने के लिए फैस उत्साहित हैं।

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन

इशोपुर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में त्रिदिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम अंतर्गत आज दूसरे दिन अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री मनोज सराफ़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान नव प्रवेशित विद्यार्थियों का पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया तथा अभिप्रेरणा कार्यक्रम अंतर्गत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्य श्री दिनेश दुबोлия भी मौजूद रहें। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री सराफ़ ने अपने उद्बोधन में नव प्रवेशित



विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए कैरियर मार्गदर्शन करते हुए कहा कि रूचि अनुसार विद्या अध्ययन करें तथा गंभीरता के साथ मनन करते हुए पढ़ाई करें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ

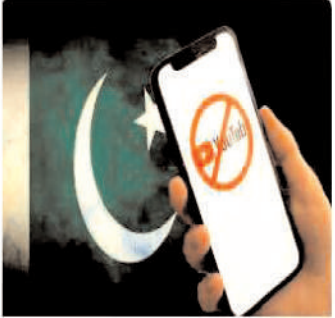
ओपी शर्मा ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं अन्य इकाइयों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए एवं अपने जीवन के अनुभव को साझा करते हुए एक उच्च लक्ष्य की प्राप्ति के रणनीति

को साझा किया एवं प्रकृति के सानिध्य में अध्ययन का महत्व बताया। वहीं जन भागीदारी समिति के सदस्य श्री दिनेश दुबोлия ने छात्रों को ज्ञान, कौशल से श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण के साथ राष्ट्र प्रेम एवं समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित आदर्श कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस डी राठी ने बताया कि महाविद्यालय में सिर्फ़ सैद्धांतिक शिक्षा ही नहीं बल्कि व्यवहारिक ज्ञान कौशल को प्राप्त करने के साथ अनुशासन और नियमित अध्ययन से साथ का बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। प्रोफ़ेसर डॉ उर्मिला बाथम ने महाविद्यालय के माध्यम से मिलने वाली

विभिन्न छात्रवृत्तियों की जानकारी दी। महाविद्यालय में संचालित विद्यार्थी सहायता प्रकोष्ठ एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के विषय में डॉ सीमा चौकसे ने जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय में उपलब्ध खेल गतिविधि एवं व्यक्तित्व निर्माण पर डॉक्टर लोकेन्द्र सिंह जाट के द्वारा प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय में इको क्लब के प्रभारी डॉ लक्ष्मीकान्त राय ने बताया कि विद्यार्थी अपने शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ इको क्लब का सदस्य बन पर्यावरण संरक्षण में वृक्षारोपण एवं पर्यावरणीय भ्रमण जैसी गतिविधियों में शामिल होकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारत की एक और कार्रवाई, फिर बैन हुए पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया हैंडल

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव आ चुके हैं। भारत ने पड़ोसी के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। उनमें पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को बैन करने जैसी कार्रवाई भी शामिल है। हालांकि बुधवार को उनके अकाउंट अनब्लॉक किए गए थे, लेकिन इसके एक दिन बाद ही एक बार फिर से ब्लॉक कर दिए गए हैं। गुरुवार सुबह से ही शाहिद अफरीदी, मावरा होकेन, युमना जैदी, हानिया आमीर और फवाद खान जैसे लोकप्रिय सितारों के इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट्स भारतीय यूजर्स के लिए बैन हो गए हैं। बुधवार को इन सितारों के अकाउंट्स कुछ घंटों के लिए फिर से भारत में दिखाई देने लगे थे, जिससे लगा कि शायद सोशल मीडिया बैन हटा लिया गया है। लेकिन गुरुवार सुबह तक भारतीय यूजर्स को इंस्टाग्राम पर संदेश दिखने लगा जिसमें लिखा आ रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। सरकार की ओर से बैन हटाने या दोबारा लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कदम स्थायी है या अस्थायी। पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के खिलाफ यह प्रतिबंध भारत के सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगाया गया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (कश्मीर) में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। भारत के द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ उठाए गए कदमों की कई पाकिस्तानी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर आलोचना की थी, जिसके बाद भारतीय यूजर्स के लिए उनके अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया था। बुधवार को अचानक इन अकाउंट्स के लौटने पर फैस ने आश्चर्य जताया और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। लेकिन एक दिन बाद ही दोबारा बैन लग जाने से अब यूजर्स में नाराजगी और भ्रम की स्थिति है।



शादी के मंडप में पहुंची ईडी, दुल्हन संग दूल्हा भी फरार

भोपाल। कारोबारी सौरभ आहूजा जयपुर के होटल फेयर मार्ट में 3 जुलाई की शाम शादी कर रहा था। ईडी को इस शादी के बारे में इनपुट मिले और ईडी की टीम के वहां पहुंचने से पहले ही सौरभ को इसकी भनक लग गई। इसके बाद उसने तुरंत फेरे लिए और दुल्हन के साथ ही होटल से भाग निकला। दरअसल महादेव सट्टा एप मामले में सौरभ आहूजा का नाम सामने आया था।

लग्जरी होटल में चल रहा था शादी का कार्यक्रम

बुधवार को सौरभ आहूजा होटल में ड्रड्रक तरीके से शादी कर रहा था। शादी का कार्यक्रम चल ही रहा था कि तभी ईडी की टीम वहां पहुंच गई। हालांकि सौरभ और उसकी पत्नी पहले ही वहां से फरार हो गए थे। ईडी ने मौके से तीन अन्य लोगों को पकड़, जिनमें सौरभ का साथी प्रणवेंद्र भी शामिल है। इन सभी को फ्लाइट से रायपुर भेज दिया गया।

परिवार से भी पूछताछ

सौरभ के परिवार में और शादी में मौजूद लोगों से भी पूछताछ की गई। ईडी की टीम को उनसे कोई खास जानकारी नहीं मिली। 15 सितंबर 2023 को ईडी ने सौरभ के भोपाल के इंदराहा हिल्स वाले घर और रैपिड ट्रेवल्स के ऑफिस पर रेड मारी थी। सौरभ का का नाम महादेव एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल से जोड़ा गया था। 16 अप्रैल को भी ईडी ने जयपुर के सोडाला इलाके में भरत दाधीच के फ्लैट पर रेड की थी। ये भी महादेव एप से जुड़ा मामला था।

कौन है सौरभ आहूजा

सौरभ आहूजा भोपाल का एक कारोबारी है। उसका नाम महादेव सट्टा एप से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल शादी समारोह में सामने आया। बताया जा रहा है कि रायपुर के मुख्य आरोपी को दुबई में हुई शादी में सौरभ आहूजा की फैमिली ने मेहमानों को ले जाने के लिए विशेष चार्टर्ड फ्लाइट की बुकिंग में मदद की थी। इस आयोजन से जुड़े ट्रेवल अरेंजमेंट में रैपिड ट्रेवल्स के धीरज आहूजा और विशाल आहूजा की भी भूमिका सामने आई थी। इन्हीं के



ठिकाना पर 15 सितंबर 2023 को प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की थी।

महादेव सट्टा एप क्या है?

महादेव सट्टा एप एक ऑनलाइन सट्टा एप है, जो क्रिकेट, फुटबॉल, लुडो और ताश जैसे गेम्स पर दांव लगाने की सुविधा देता है। यह एप सीधे डाउनलोड नहीं किया जा सकता। जब कोई व्यक्ति इंटरनेट पर इस एप को सर्च करता है तो कुछ मोबाइल नंबर सामने आते हैं। इन नंबरों पर कॉल करने पर WhatsApp के जरिए एक रजिस्ट्रेशन लिंक भेजा जाता है और 100 से 500 तक सिक्वोरिटी मनी जमा करने को कहा जाता है। इसके बाद उपयोगकर्ता को एक WhatsApp नंबर मिलता है, जिसके माध्यम से वह अपनी पसंद के गेम पर सट्टा लगा सकता है। दांव लगाने के बाद हर-जीत का पैसा सीधे बैंक खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर किया जाता है।

महादेव सट्टा रैकेट का पर्दाफाश कैसे हुआ?

यह मामला सबसे पहले छत्तीसगढ़ के दुर्ग में सामने आया, जब क्रिकेट पर सट्टा लगाने वाले तीन लोगों डू आलोक सिंह, खड्ग सिंह और राम प्रवेश साहू को गिरफ्तार किया गया। इनसे

अर्बन ग्रोथ कॉन्वलेवः सीएम मोहन यादव 11 जुलाई को करेंगे शुभारंभ शहरों की सूरत बदलने फिर आ रहे बड़े बिजनेसमेन

इंदौर। होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, उद्योग, निवेश, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि को बढ़ावा देने के लिए इंदौर में अर्बन ग्रोथ कॉन्वलेव होगी। 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर (बीसीसी) में होने वाले आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शिरकत करेंगे। 1500 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। उनके सामने इंदौर और उज्जैन सहित कई शहरों के प्लॉटों का प्रेजेंटेशन होगा। इस कॉन्वलेव का 11 जुलाई को सीएम मोहन यादव करेंगे शुभारंभ।

1500 से ज्यादा उद्योगपति होंगे शामिल- भोंवड़े ने बताया कि कॉन्वलेव में देशभर के 1500 से अधिक उद्योगपति व उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे। एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें क्रेडॉई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, आइडीए, नगर निगम, स्मार्ट सिटी, एलआइसी, हाउसिंग बोर्ड आदि के कार्यों की



जानकारी दी जाएगी। कॉन्वलेव में मुख्यमंत्री उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि पूर्व में यह आयोजन 16 मई को होना था। **ऑनलाइन हुई बैठक-** कॉन्वलेव को लेकर बुधवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक की। इसमें इंदौर से संपायायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नए कारोबार में तेजी के कारण जून में 10 महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। मांग के सकारात्मक रूझान और बिक्री में जारी सुधार के बीच अंतरराष्ट्रीय बिक्री और रोजगार सृजन में मजबूत विस्तार होने से जून में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर दस महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। पीएमआई के आंकड़ों में इसकी पुष्टि होती है।

मांग के सकारात्मक रूझान और बिक्री में जारी सुधार के बीच अंतरराष्ट्रीय बिक्री और रोजगार सृजन में मजबूत विस्तार होने से जून में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को इसकी पुष्टि की गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई में 58.8 से बढ़कर जून में 60.4 हो गया, जो नए

व्यावसायिक ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि के कारण हुआ। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रान्तुल भंडारी ने कहा, 'सेवा पीएमआई व्यवसाय गतिविधि सूचकांक दस महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिसका कारण नए घरेलू ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि थी। नए निर्यात ऑर्डरों में भी वृद्धि हुई, यद्यपि धीमी गति से। मार्जिन में सुधार हुआ, क्योंकि इनपुट लागत में वृद्धि आउटपुट शुल्कों के मुकाबले कम थी। अंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2024 के बाद से नए ऑर्डरों में सबसे तेज वृद्धि हुई। सेवा कंपनियों को घरेलू बाजार की निरंतर



मजबूती से सबसे अधिक लाभ हुआ। साथ ही अमेरिकी बाजारों से सुधार हुआ है। भारतीय फैनल के सदस्यों के अनुसार, विदेशी मांग में

विरासत रूप से एंशगैड, मध्य पूर्व और अमेरिकी बाजारों से सुधार हुआ है। भारतीय सेवा क्षेत्र के निरंतर विस्तार का भर्ती पर

करूर वैश्य बैंक और क्षेमा जेनरल इश्योरेंस ने की गेम-चेजिंग बैंकेश्योरेंस गठजोड़ की घोषणा

करूर, तमिलनाडु, एजेंसी। करूर वैश्य बैंक (केवीबी) और क्षेमा जनरल इश्योरेंस लिमिटेड ने आज एक महत्वपूर्ण बैंकाश्योरेंस गठबंधन की घोषणा करते हुए भारत के ग्रामीण और कृषि-केंद्रित समुदायों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए दोहरे लाभ वाले बीमा उत्पाद-क्षेमा किसान साथी-की पेशकश की। यह गठबंधन ग्रामीण और अर्ध-शहरी बैंकिंग के क्षेत्र में केवीबी की मजबूत पकड़ और क्षेमा के उन्नत तकनीक से संचालित बीमा योजनाओं को जोड़ता है ताकि लाखों ग्राहकों को समग्र वित्तीय सुरक्षा प्रदान करके सशक्त बनाया जा सके। यह साझेदारी भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के लिए केवीबी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। करूर वैश्य बैंक 109 वर्षों से अधिक की विरासत, और विश्वसनीयता तथा सेवा के प्रति अपनी गहन आस्था रखते हुए अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निरंतर बदलाव को अपनाता रहा है। यह गठजोड़ एक खास साझेदारी है और कृषि समुदाय के लिए विशेष रूप से तैयार उत्पाद के जरिये भारत के बैंकेश्योरेंस के क्षेत्र में मौलिक बदलाव लाएगा। दो विनियमित निजी संस्थाओं की यह संयुक्त पहल सिर्फ़ भागीदारी ही नहीं बल्कि यह क्षेमा की प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म और केवीबी के ग्रामीण ग्राहकों की तादाद का लाभ उठाकर कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, बीमा करने और उसका उत्थान करने का मिशन है।

प्रदेश के 6 शहरों में दौड़ेंगी 582 इलेक्ट्रिक बसें, चार्जिंग अधोसंरचना पर केंद्र देगी 100 प्रतिशत राशि



नई दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण संरक्षण और ईंधन की बचत को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2025 तैयार की है। इस नीति के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए परिवहन कर में छूट और अनुदान जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। शहरी परिवहन को पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक बस सेवा को प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान में इंदौर में 80 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो रही हैं, जिनमें 40 फेम योजना और 40 अमृत योजना के तहत चलाई जा रही हैं। अब राज्य सरकार ने छह बड़े शहरों के लिए 582 नई इलेक्ट्रिक बसें चलाने का प्रस्ताव तैयार किया, जिसे केंद्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव के अनुसार, इंदौर में 150, भोपाल में 100, खालियर में 100, जबलपुर में 100, उज्जैन में 100 और सागर में 32 बसें चलाई जाएंगी। बस संचालन के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने निविदा प्रक्रिया पूरी कर संचालकों का चयन कर लिया है। चार्जिंग ढांचे पर विशेष फोकस: केंद्र सरकार चार्जिंग अधोसंरचना के लिए 100व राशि देगी। जबकि, बस डिपो और अन्य निमाण कार्यों में 60व केंद्र और 40व राज्य सरकार खर्च वहन करेगी। अभी तक इंदौर, भोपाल और जबलपुर में 34 चार्जिंग स्टेशनों पर 190 चार्जिंग पाइंट स्थापित किए जा चुके हैं।

यूएस-वियतनाम व्यापार समझौते से सबक ले सकता है भारत

वॉशिंगटन, एजेंसी। हाल ही में अमेरिका और वियतनाम के बीच व्यापार समझौता हुआ है। इस व्यापार समझौते से भारत कई सबक सीख सकता है। खासकर भारतीय निर्यातकों पर इसका गहरा असर हो सकता है। भारत, वियतनाम को निर्यात के मामले में प्रतिद्वंद्वी और क्षेत्रीय सहयोगी दोनों मानता है। ग्लोबल ट्रेडरिस्च इंशीरिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका और वियतनाम में जब साल 2000 में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके बाद वियतनाम के उत्पाद अमेरिका में सिर्फ 2 से 10 प्रतिशत टैरिफ पर आने लगे। अब ट्रंप प्रशासन ने नई डील में वियतनामी उत्पादों के अमेरिका में आने पर 20 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का फैसला किया है। अमेरिका के इस कदम से वियतनाम का निर्यात बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। जीटीआरआई ने कहा कि भारतीय निर्यातकों को भी इससे सबक लेना चाहिए। साल 2000 में हुए व्यापार समझौते के बाद वियतनाम के उत्पादों की अमेरिका में आवक काफी बढ़ गई और एक समय जो वियतनाम का निर्यात सिर्फ 80 करोड़ डॉलर था, वह बढ़कर 135 अरब डॉलर हो गया। विशेषज्ञों का दावा है कि नए टैरिफ के बाद वियतनाम की यह बहुत ख़तम हो सकती है और इससे वियतनाम का निर्यात सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित होगा। इतना ही नहीं वियतनाम होकर अमेरिका आने वाले चीनी सामान पर 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका का यह कदम विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ है।

ऑफिस में काम करने वालों की भर्तियां 20 फीसदी बढ़ी, दिल्ली-एनसीआर जैसे महानगरों में बढ़ोतरी कम

मुंबई, एजेंसी। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑफिस में काम करने वाले लोगों की भर्तियां 20 फीसदी बढ़ी हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर जैसे महानगरों में बढ़ोतरी धीमी हो गई है। छोटे शहर रोजगार वृद्धि का प्रमुख इंजन बन रहे हैं। ऑफिस में काम करने वालों (व्हाइट कॉलर) की भर्तियां जून, 2025 में सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़ी हैं। इसमें मुख्य रूप से टियर-2 श्रेणी के शहरों (छोटे शहर) का योगदान रहा है और वे देश की रोजगार वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख इंजन के रूप में उभर रहे हैं। फाउंडेट इनसाइट्स ट्रैकर के मुताबिक, भर्तियों में 26 फीसदी वृद्धि के साथ कोयंबटूर सबसे आगे रहा। इसके बाद नागपुर और नासिक में 24 फीसदी की वृद्धि हुई। इसमें आईटी, बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा), विनिर्माण और एफएमसीजी क्षेत्रों का योगदान है। फाउंडेट के मुख्य राजस्व एवं वृद्धि अधिकारी प्रणय काले ने कहा, यह हाल के वर्षों में सबसे मजबूत वृद्धि है, जो भारत के रोजगार परिदृश्य में टियर-2 शहरों के बढ़ते महत्व को बताती है। अब नौकरी चाहने वालों के पास अपने घर के पास ही विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टियर-2 शहरों में भर्तियां सालाना आधार पर 28 फीसदी बढ़ी हैं।